वर्ष-11 अंक-80 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये

प्रयागराज, सोमवार, 02 जून 2025

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटवर्क

11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

न्यूयॉर्क ने स्कूल के शुभंकर पर लगाया प्रतिबंध

न्यूयॉर्क। ने लॉन्ग आइलैंड के मैसेपेक्वा में नए अमेरिकी शुभंकर पर प्रतिबंध लगा दिया है। पिछले महीने ट्रंप ने संघीय शिक्षा विभाग को जांच आदेश दिया था। इसके बाद अमेरिकी शिक्षा सचिव ने प्रतिबंध को गलत ठहराया और फंडिंग वापस लेने की धमकी दी। न्यूयॉर्क ने एक स्कूल के मूल अमेरिकी शुभंकर (मैस्कॉट) पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसे लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष शिक्षा अधिकारी ने न्यूयॉर्क को फंडिंग रोकने की धमकी दी है। अमेरिकी शिक्षा सचिव लिंडा मैकमोहन ने कहा कि न्यूयॉर्क उस स्कूल से भेदभाव कर रहा है जिसने अपने मूल अमेरिकी मुख्य शुभंकर से छुटकारा पाने से इनकार कर दिया है। इससे उसे न्याय विभाग की जांच का सामना करना पड़ सकता है या फंडिंग खोने का जोखिम उठाना पड़ सकता है।लॉन्ग आइलैंड के मैसेपेक्वा हाईस्कूल के दौरे पर गए अमेरिकी शिक्षा सचिव लिंडा मैकमोहन ने कहा कि हमारी एजेंसी की जांच से पता चला है कि राज्य के शिक्षा अधिकारियों ने राज्यव्यापी स्तर पर मूल अमेरिकी शुभंकर और लोगो के उपयोग पर प्रतिबंध लगाकर संघीय नागरिक अधिकार कानून का उल्लंघन किया है। विभाग के नागरिक अधिकार कार्यालय ने राज्य के प्रतिबंध को भेदभावपूर्ण बताया।

सचिवालय की तरफ कूच कर रहे 50 बेरोजगार शिक्षकों को हिरासत में लिया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली।पश्चिम बंगाल में स्थायी नियुक्ति की मांग को लेकर मार्च कर रहे करीब 50 शिक्षकों को पुलिस ने हिरासत में लिया। ये शिक्षक स्थायी नियुक्ति की मांग कर रहे हैं और दोबारा परीक्षा कराने का विरोध कर रहे थे। पश्चिम बंगाल के सचिवालय नबन्ना की ओर मार्च करते समय करीब 50 बेरोजगार शिक्षकों को दो अलग-अलग स्थानों पर पुलिस ने हिरासत में लिया। ये शिक्षक 'डिजर्विंग टीचर्स राइट्स फोरम' के बैनर तल प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शनकारी शिक्षक स्थायी नियुक्ति की मांग और राज्य सरकार की ओर से दोबारा परीक्षा देने के निर्देश का विरोध कर रहे हैं। शिक्षकों ने सियालदह स्टेशन और एस्प्लेनेड (दोनों जगहें करीब 2 किमी दूर) से मार्च शुरू करने की कोशिश की, लेकिन वहां पहले से मौजूद पुलिस ने उन्हें रोक दिया। फोरम के एक सदस्य ने कहा, हमें शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से मार्च करने की अनुमति नहीं दी गई। हम सिर्फ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मिलने और अपनी स्थिति व मांगों को उनके सामने रखने की कोशिश कर रहे थे। प्रतीकात्मक विरोध में कुछ प्रदर्शनकारियों ने शर्ट उतार दीं। मध्य कोलकाता की उपायुक्त इंदिरा मुखर्जी ने बताया कि करीब 50 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया, क्योंकि वे यातायात बाधित करने और सार्वजनिक व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा, पुलिसकर्मी होने के नाते हम उनकी मांगों या आंदोलन पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। लेकिन हमें ऐसी सूचनाएं मिली थीं कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश की जा सकती है।पुलिस ने आसपास के इलाकों में आईडी चेक की। यहां तक कि सार्वजनिक बसों में चढ़कर छिपे हुए प्रदर्शनकारियों की तलाश की। फोरम ने पहले ही घोषणा की थी कि वे सियालदह से नबन्ना तक मार्च करेंगे। कुछ सदस्य शर्ट उतारकर मार्च में शामिल होने वाले थे, ताकि यह जताया जा सके कि वे बिना दोबारा परीक्षा दिए तुरंत बहाली की मांग को लेकर कितने गंभीर हैं।

विकसित कृषि संकल्प अभियान का राज्यव्यापी शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। गुजरात में इस अभियान के अंतर्गत 235 तहसीलों के 2951 क्लस्टर के जरिए 3.50 लाख से अधिक किसानों तक सीधे पहुंचने का व्यापक आयोजन किया गया है। इस अभियान के दौरान राज्य के 30 कृषि विज्ञान केंद्रों और चार कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक, कृषि विशेषज्ञ, कृषि विभाग के अधिकारी और स्थानीय प्रगतिशील किसान गांव-गांव घूमकर किसानों से मिलेंगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को आणंद से 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' का राज्यव्यापी शुभारंभ करते हुए कहा कि यह अभियान कृषि उत्पादन बढ़ाकर किसानों की आत्मनिर्भरता और स्वदेशी को प्रोत्साहन देने वाली एक अभिनव पहल होगी।

थरूर की सख्त आपत्ति से कोलंबिया को 'गलती' का एहसास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद कोलंबिया ने पाकिस्तान में जानमाल के नुकसान पर सहानुभूति जताई थी। कांग्रेस सांसद शशि के नेतृत्व में कोलंबिया गए भारत के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान की आतंकी हरकतों के बारे में जब वहां के अफसरों को बताया। इसके बाद कोलंबिया ने अपना पाकिस्तान के समर्थन में दिया गया बयान वापस ले लिया।भारत के वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख और पाकिस्तान को बेनकाब करने के प्रयासों को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। कांग्रेस नेता शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने कोलंबिया में पाकिस्तान की पोल खोलकर रख दी। कोलंबिया ने पहले अपने बयान में पाकिस्तान में जानमाल के नुकसान पर सहानुभूति जताई थी, लेकिन शशि थरूर की ओर से आपत्ति जताए जाने के बाद उसने अपना बयान वापस ले लिया है।भारत के वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख और पाकिस्तान को बेनकाब करने के प्रयासों को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। कांग्रेस नेता शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने कोलंबिया में पाकिस्तान की पोल खोलकर रख दी। कोलंबिया ने पहले अपने बयान में पाकिस्तान में जानमाल के नुकसान पर सहानुभूति जताई थी, लेकिन शशि थरूर की ओर से आपत्ति जताए जाने के बाद उसने अपना बयान वापस ले लिया है।शशि थरूर ने कहा कि हमें कोलंबिया सरकार की प्रतिक्रिया से थोड़ी निराशा हुई, जिन्होंने भारतीय हमलों के बाद पाकिस्तान में जानमाल के नुकसान पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की, बजाय इसके कि वे आतंकवाद के पीड़ितों के प्रति सहानुभूति दिखाते। उन्होंने आगे कहा कि हम अपने कोलंबियाई मित्रों से कहना चाहते हैं कि आतंकवाद फैलाने वालों और उनसे लड़ने वालों के बीच कोई समानता नहीं हो सकती। हम सिर्फ आत्मरक्षा के अधिकार प्रयोग कर रहे हैं और अगर इस मुद्दे पर कोई गलतफहमी है, तो हम उसे दूर करने के लिए यहां हैं।

हिंद-प्रशांत सहयोगी देशों को अमेरिका ने किया आगाह, रक्षा मंत्री बोले- चीन का खतरा बेहद नजदीक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र के सहयोगी देशों से भी अपील की कि वे भी अपने बजट का 5 फीसदी रक्षा क्षेत्र पर खर्च करें। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को अपने एक बयान में कहा कि अमेरिका हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र के सहयोगी देशों के साथ है और चीन की आक्रामकता की स्थिति में उन्हें अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका हिंद प्रशांत क्षेत्र के सहयोगी देशों के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत करेगा।सिंगापुर में वैश्विक सुरक्षा सम्मेलन शंगरी-ला डायलॉग में बोलते हुए अमेरिकी रक्षा मंत्री के निशाने पर खासतौर पर चीन रहा और उन्होंने ताइवान के खिलाफ चीन की आक्रामकता का भी जिक्र किया। चीन द्वारा लगातार युद्धाभ्यास किया जा रहा है और उसके युद्धाभ्यास में ताइवान को ब्लॉक करने का अभ्यास किया जा रहा है। चीन, ताइवान के हवाई और समुद्री क्षेत्र का भी लगातार उल्लंघन कर रहा है। चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, वहीं ताइवान खुद को आजाद देश कहता है। हेगसेथ ने सिंगापुर में कहा कि 'चीन की सेना युद्ध की तैयारियों में लगी है और हम इसे चाशनी में लपेटकर नहीं बताना चाहते। चीन का खतरा असली है और ये बेहद नजदीक भी है।'चीन ने कहा है कि उसका लक्ष्य है कि साल 2027 तक ताइवान पर कब्जा करना है। इसके लिए चीन ने दक्षिण चीन सागर में एक कृत्रिम द्वीप बनाया है, जहां नई सैन्य चौकियां बनाई जा रही हैं और साथ ही वहां पर आधुनिक हाइपरसोनिक मिसाइलें भी तैनात की जा रही हैं। हेगसेथ ने कहा कि चीन न सिर्फ ताइवान पर कब्जे के लिए सैन्य निर्माण कर रहा है बल्कि वह सक्रिय तौर पर युद्धाभ्यास में भी जुटा है। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र के सहयोगी देशों से भी अपील की कि वे भी अपने बजट का 5 फीसदी रक्षा क्षेत्र पर खर्च करें। पीट हेगसेथ ने सहयोगी देशों को चीन के साथ व्यापारिक सहयोग बढ़ाने के प्रति भी आगाह किया और कहा कि दोनों तरफ खेलने के खतरे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका से सैन्य मदद लेना और वहीं चीन से आर्थिक मदद लेने के खतरे हैं।

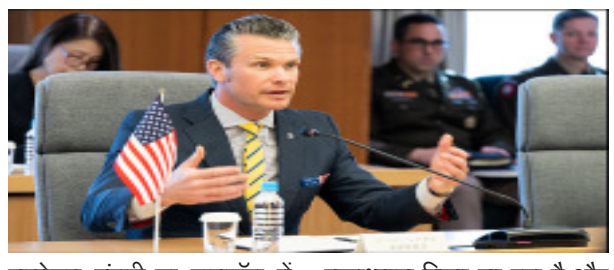

घोषणा होते ही सीएम योगी से मिलने पहुंचे राजीव कृष्ण, लगातार पांचवी बार प्रदेश को कार्यवाहक मुखिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

लखनऊ। यूपी को लगातार पांचवी बार कार्यवाहक डीजीपी मिला है। राजीव कृष्ण के पहले भी चार डीजीपी कार्यवाहक के रूप में ही कार्यरत थे। प्रदेश सरकार ने वर्ष 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्णा को डीजीपी नियुक्त किया है। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष के साथ डायरेक्टर विजिलेंस की जिम्मेदारी संभाल रहे राजीव कृष्ण 11 वरिष्ठ आईपीएस अफसरों को सुपरसीड कर डीजीपी बनाए गए हैं। बता दें कि निवर्तमान डीजीपी प्रशांत कुमार को सेवा विस्तार नहीं मिल सका, जिसके बाद देर शाम राजीव कृष्णा को डीजीपी बनाने की घोषणा कर दी है। उन्होंने रात करीब 9 बजे डीजीपी का कार्यभार ग्रहण कर लिया।रात वर्ष 1989 बैच के शफी अहसान रिजवी, आशीष गुप्ता, आदित्य मिश्रा, वर्ष 1990 बैच के संदीप सालुंके, दलजीत सिंह चौधरी, रेणुका मिश्रा, बिजय कुमार मौर्य, एमके बशाल, तिलोत्तमा वर्मा, वर्ष 1991 बैच के आलोक शर्मा और पीयूष आनंद। बता दें कि राजीव कृष्णा प्रदेश के पांचवें कार्यवाहक डीजीपी बनाए गए हैं। इससे पहले डीएस चौहान, आरके विश्वकर्मा, विजय कुमार, प्रशांत कुमार कार्यवाहक बनाए गए थे। इसकी वजह राज्य सरकार द्वारा बीते करीब तीन वर्ष से संघ लोक सेवा आयोग को पैनल नहीं भेजा जाना है।

काठमांडू में धरना-प्रदर्शन, रैली पर प्रतिबंध

काठमांडू। 31 मई से 8 जुलाई तक धरना-प्रदर्शन जैसी गतिविधि को प्रतिबंधित किया गया है। प्रतिबंधित क्षेत्र में केशरमहल चौक से नारायणहिती पैलेस संग्रहालय के दक्षिणी गेट तक और जय नेपाल मोड से महेंद्र प्रतिमा तक का इलाका शामिल है। नेपाल प्रशासन ने शुक्रवार को राजतंत्र समर्थकों के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को देखते हुए काठमांडो स्थित नारायणहिती पैलेस संग्रहालय के आसपास प्रतिबंधात्मक आदेश लागू कर दिए। निर्दिष्ट क्षेत्र में पांच से अधिक लोगों की सभा, धरना, प्रदर्शन, रैली और अन्य विरोध संबंधी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। काठमांडो जिला प्रशासन ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए संग्रहालय के आसपास के क्षेत्र को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया है। यह निर्णय राजधानी में हाल के राजतंत्र समर्थक प्रदर्शनों के बाद लिया गया है। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी सहित राजतंत्र समर्थक समूहों ने बृहस्पतिवार से नेपाल में राजतंत्र की पुनर्स्थापना और हिंदू राष्ट्र की स्थापना के उद्देश्य से विरोध कार्यक्रम शुरू किए हैं।जिला प्रशासन के प्रमुख ऋषिराम तिवारी की ओर से जारी नोटिस के अनुसार, यह प्रतिबंध 31 मई से 8 जुलाई तक लागू रहेगा। प्रतिबंधित क्षेत्र में केशरमहल चौक से नारायणहिती पैलेस संग्रहालय के दक्षिणी गेट तक और जय नेपाल मोड से महेंद्र प्रतिमा तक का इलाका शामिल है। राजतंत्र समर्थक समूहों ने शनिवार को संग्रहालय क्षेत्र के नजदीक प्रदर्शन करने की घोषणा की है।

अधिकारियों की वजह से अटके एडेड कॉलेज में ऑनलाइन तबादले, आर्थिक शोषण के आरोप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

लखनऊ। यूपी के माध्यमिक एडेड कॉलेजों के ऑनलाइन ट्रांसफर अटके हुए हैं। शिक्षक संगठन इसमें आर्थिक शोषण के आरोप लगा रहे हैं। प्रदेश में बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से लगभग हर छोटे-बड़े काम ऑनलाइन किए जा रहे हैं। वर्तमान तबादला सत्र में राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में ऑनलाइन तबादलों के लिए आदेश जारी कर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जबकि अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) कॉलेजों के शिक्षकों के तबादलों के लिए अभी भी ऑनलाइन प्रक्रिया नहीं अपनाई जा रही है।प्रदेश में शिक्षकों-कर्मचारियों को मानसिक व आर्थिक शोषण से बचाने के लिए ही विभिन्न विभागों में ऑनलाइन सेवाएं शुरू की गई हैं। बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग में भी सेवा संबंधित सभी मामलों, छुट्टियों, तबादलों, नियुक्ति, एसीपी आदि के लिए मानव संपदा पोर्टल को प्रभावी किया गया है। हर साल गर्मी की छुट्टियों में होने वाले तबादले की प्रक्रिया भी ऑनलाइन की जाती है। किंतु 4500 से अधिक एडेड कॉलेजों के 60 हजार से अधिक शिक्षक अभी भी इससे वंचित हैं। इन शिक्षकों का कहना है कि पूर्व में तबादले के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया अपनाने का आदेश भी जारी किया जा चुका है। किंतु अभी तक इसे प्रभावी नहीं किया गया है। इस पर विभागीय अधिकारी कुंडली मारके बैठे हुए हैं। पिछले साल भी ऑफलाइन तबादला प्रक्रिया अपनाई गई। शिक्षक विधायकों ने विधान परिषद में भी इससे जुड़ा मुद्दा उठाया था। शिक्षकों ने कहा कि विभाग जहां पद खाली हैं, वहां का ब्योरा ऑनलाइन कर, उस पर शिक्षकों से आवेदन लेकर तबादला करे। शिक्षकों का आरोप है कि जिस विद्यालय से तबादला होना है और जहां तबादला लेना है, उसकी एनओसी के लिए से लेकर तैनाती तक में आर्थिक शोषण हो रहा है। इस पर रोक लगाने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था प्रभावी करना अनिवार्य है। साथ ही अगर शिक्षक के सभी आवश्यक दस्तावेज पूरे हैं तो एक निर्धारित समय में एनओसी जारी करने का भी आदेश जारी किया जाना चाहिए। तभी पारदर्शी तरीके से तबादला प्रक्रिया पूरी की जा सकती है।एडेड कॉलेजों में एनओसी विहीन तबादला किया जाना चाहिए। एनओसी देने के लिए प्रबंधन से लेकर विभागीय अधिकारियों समेत कुल नौ जगहों पर जेब गर्म करनी पड़ती है। ऑफलाइन तबादले बंद करके ऑनलाइन व्यवस्था लागू की जानी चाहिए।अगले सप्ताह तक एडेड कॉलेजों के शिक्षकों के लिए तबादला प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसे भी ऑनलाइन कराया जाएगा। इसके लिए आवश्यक तैयारी चल रही है।

वाराणसी में दर्दनाक हादसाः आधे घंटे तक तड़पता रहा चालक मौत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

वाराणसी। नेशनल हाईवे पर हादसे की सूचना मिलते ही मिर्जामुराद थाने की पुलिस पहुंच गई। आसपास के लोगों की सहायता से घायल को अस्पताल भिजवाया गया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल खलासी का इलाज शुरू कर दिया गया था।वाराणसी के मिर्जामुराद क्षेत्र के रूपापुर में शनिवार को सुबह नेशनल हाईवे पर वाराणसी से प्रयागराज की तरफ जा रही एक कोयला लदी ट्रक खराब होने पर रुक गई। उसी दिशा में जा रही दूसरी सीमेंट लदी ट्रक पीछे से जा भिड़ी। हादसे के बाद ट्रक आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।ट्रक के अंदर ही चालक दबकर फंसा रहा। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची मिर्जामुराद पुलिस ने क्रेन मंगा कर काफी मशक्कत से घायल चालक शब्बीर (42) निवासी शमसाबाद (फर्रुखाबाद) को बाहर निकाला एंबुलेंस के माध्यम से उसे ट्रामा सेंटर भेज दिया गया। यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल परिचालक भीम निवासी शमसाबाद (फर्रुखाबाद) का पास के नर्सिंग होम में उपचार कराया गया। घंटों बाद क्षतिग्रस्त ट्रकों को हाईवे से किनारे हटवा कर यातायात बहाल कराया गया। सीमेंट लदी ट्रक झारखंड से लखनऊ के लिए जा रही थी।

कानपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज में 21 करोड़ से ज्यादा की हेराफेरी, ऑडिट रिपोर्ट में हुआ खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

कानपुर। कानपुर के गणेश शंकर विद्यार्थी राजकीय मेडिकल कॉलेज (जीएसवीएम) और उससे जुड़े अस्पतालों में उपकरणों की खरीद में घोटाले का मामला सामने आया है। कानपुर के गणेश शंकर विद्यार्थी राजकीय मेडिकल कॉलेज (जीएसवीएम) और उससे जुड़े अस्पतालों में उपकरणों की खरीद से लेकर आधारभूत सुविधाएं विकसित करने में करोड़ों की हेराफेरी हुई है। मार्च 2021 से मार्च 2024 के बीच 2176.09 लाख रुपये का अतिरिक्त भुगतान कार्यदायी संस्थाओं को किया गया है। यह खुलासा ऑडिट रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के आधार पर उच्चाधिकारियों से शिकायत की गई है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक सर्जरी विभाग में आठ मॉड्यूलर ओटी का निर्माण 1627.77 लाख की लागत से कराया गया। इसमें 146.69 लाख रुपये अतिरिक्त भुगतान किया गया। पीएमएसएसवाई योजना में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में उपकेंद्र के निर्माण में भी 150.16 लाख रुपये अतिरिक्त भुगतान किए गए हैं। अग्निसुरक्षा के उपकरण उच्च दर पर खरीदे गए। इसके एवज में तय दर से 138.45 लाख रुपये अतिरिक्त भुगतान किए गए।वित्तीय वर्ष 2021-22 में उपकरणों की खरीद एसजीपीजीआई की दर पर करने का निर्देश थे, लेकिन न्यूरो सर्जरी व अन्य विभागों में इनकी खरीद उच्च दर पर की गई है और 86.77 लाख रुपये अतिरिक्त भुगतान किए गए। इसी तरह 50 बेड के प्राइवेट वार्ड में सेंट्रल गैस पाइप लाइन लगाने में कार्यदायी संस्था को 26.24 लाख रुपये अतिरिक्त दिए गए। पूरे मामले की शिकायत उच्चाधिकारियों से करके जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की गई है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि फार्मेसी भवन एवं छात्रावास के जीणोद्धार का कार्य समय से पूरा नहीं होने से करीब 217.85 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। छात्रावास में नए फर्नीचर की आपूर्ति नहीं की गई। छात्रावास की टाइल्स टूट गई और बारिश में छत से पानी टपकता है। कई अन्य खामियां हैं जिन्हें अब तक दूर नहीं किया जा सका है।

पुलिस और एसटीएफ लखनऊ की टीम ने 26.5 लाख का गांजा पकड़ा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

वाराणसी। पुलिस और एसटीएफ लखनऊ की टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर अंतरराज्यीय तस्कर को दबोचा है और 26.5 लाख का गांजा पकड़ा। इस कामयाबी के बाद अब पकड़े गए तस्कर से पूछताछ की जा रही है और इससे जुड़े तार खंगाले जा रहे हैं। जौनपुर कोतवाली और एसटीएफ लखनऊ की संयुक्त पुलिस टीम ने शुक्रवार की रात एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय गांजा तस्कर राजेंद्र यादव को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 53.2 किलोग्राम अवैध गांजा, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 26.5 लाख रुपये है और तस्करी में प्रयुक्त एक मैजिक वाहन बरामद किया।जौनपुर कोतवाल जितेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि 30 मई 2025 की रात मुखबिर की सूचना पर जौनपुर पुलिस और एसटीएफ लखनऊ की संयुक्त टीम ने मुबारकपुर तिराहे पर एक संदिग्ध मैजिक वाहन को रोका। तलाशी के दौरान वाहन में कोरियर के सामान में छिपाकर रखा गया 53.2 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ।राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी के बाद वाहन के मालिक राजेंद्र यादव निवासी भैसार थाना रौनापार को रात 1.55 बजे गिरफ्तार किया गया। इस आधार पर जौनपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया। कोतवाल जितेंद्र बहादुर ने बताया कि पूछताछ में आरोपी राजेंद्र यादव ने खुलासा किया।बताया कि वह और उसका बेटा विजय यादव असम के बरपेठा के प्रवित्र वर्मन के साथ मिलकर रविगो महिंद्रा लॉजिस्टिक कोरियर कंपनी के जरिए बांस की डिलीवरी के नाम पर गड्ढों में गत्ते के अंदर गांजा छिपाकर मंगवाते थे।

शहर के रामगढ़ ताल, ग्रामीण में खजनी में छापा टीम कर रही पूछताछ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

गोरखपुर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम ने छापा मारा है। एक साथ शहर के रामगढ़ताल, खजनी और सहजनवां इलाके में टीम ने छापा मारा है। सूत्रों की मानें तो मनी लॉड्रिंग को लेकर ये छापा बताया जा रहा है। गोरखपुर और आस-पास के इलाकों से संदिग्ध रुपयों की लेन-देन की जांच करने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम गोरखपुर पहुंची। जिले के आलाधिकारियों को मामले की जानकारी देकर टीम सीधे तीनों पते पर पहुंची। रामगढ़ताल थानाक्षेत्र में बैंकॉक में रहने वाले एक परिवार के घर टीम गई।परिवार के सभी सदस्यों के बैंक खाते के साथ रिश्तेदारों और बैंकॉक से हुंड़ी के जरिए आने वाले

रुपयों की जानकारी ली। सूत्रों ने बताया कि एनआईए ने ये छापा मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के संदेह में छापेमारी की। बताया जा रहा है कि तारामंडल स्थित बुद्ध विहार पार्ट ए में पन्ने लाल यादव के घर टीम पहुंची। इसकी पुष्टि खुद को भतीजा का दावा करने वाले दीपक यादव ने किया है। बताया कि टीम देर रात उनके गांव उनके गांव गई थी।वहां से शहर के पते पर आई। गांव वाले घर में तीन दरवाजे एनआईए की टीम ने तोड़ दिए। परिजनों के साथ भी मारपीट की। इसके बाद सुबह 4 बजे टीम गांव से परिवार के एक लोग को लोग शहर वाले मकान पर पहुंची। यहां घर में चाचा की बेटियां और चाची हैं।चाचा के लड़के और बेटी को भी एनआईए की टीम ने मारने का आरोप दीपक ने लगाया है। बताया कि जब जाकर टीम से पूछा तो उन्होंने कहा तुम्हारा मामला नहीं है कोई, तुम चले जाओ और बाहर कर दिया।

सड़क हादसे में 4 की मौत, 24 घंटे बाद एक युवक की होनी थी सगाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

गोरखपुर। शनिवार की सुबह सिधुआपार ग्राम सभा के गरथौली, करवनिया टोला निवासी सुनील कुमार पुत्र राधे, प्रदुम्न कुमार, अरविंद कुमार पुत्रगण हरिश्चंद्र व राहुल कुमार पुत्र करन एक अपाची मोटरसाइकिल से फोरलेन की तरफ से अपने घर आ रहे थे। बड़हलगंज के कोतवाली क्षेत्र के गोरखपुर-वाराणसी नेशनल हाइवे पर सड़क हादसे में बाइक सवार तीन व्यक्तियों की मौत हो गई। जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिन्हें सीएचसी लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, लेकिन थोड़ी देर में ही गंभीर रुप से घायल राहुल ने भी दम तोड़ दिया। शनिवार की सुबह सिधुआपार ग्राम सभा के गरथौली, करवनिया टोला निवासी सुनील कुमार पुत्र राधे, प्रदुम्न कुमार, अरविंद कुमार पुत्रगण हरिश्चंद्र व राहुल कुमार पुत्र करन मोटरसाइकिल से फोरलेन की तरफ से अपने घर आ रहे थे। अभी वह फोरलेन के सामने सिधुआपार आने के लिए हाइवे पर चढ़ रहे थे कि गोरखपुर की तरफ से आ रही कार से जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें बाइक सवार चारों युवक घायल हो गए। उन्हें सीएचसी लाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्रदुम्न, सुनील व अरविंद को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल राहुल को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था। मृतक सुनील के दो पुत्री है। हादसे के बाद पत्नी खुशबू का रो रोकर बुरा हाल है। वहीं, घायल राहुल की 01 जून को सगाई होनी थी।

बिजली कटौती पर रात में उपकेंद्रों पर हुआ जमकर हंगामा, जाम की सड़क

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

लखनऊ। रात में बिजली कटौती पर लखनऊ के कई बिजली उपकेंद्रों पर जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान पीड़ित लोगों ने सड़क जाम करने की कोशिश भी की। भीषण गर्मी और उमस में चार घंटे से ज्यादा समय तक बिजली गुल रहने से अहिबरनपुर उपकेंद्र के अंतर्गत आने वाले इलाकों के उपभोक्ता खौल उठे। शनिवार रात करीब एक बजे सड़क पर उतार आए। पहले उन्होंने उपकेंद्र की ओर कूच किया। यहां पहुंचकर हंगामा करने लगे तो ड्यूटी पर तैनात विद्युतकर्मी ताला लगाकर भाग निकले। सूचना पर पुलिस भी आ गई, जिसके बाद उपभोक्ता इधर-उधर हो गए।कुछ देर बाद उपभोक्ता उपकेंद्र के बाहर मुख्य मार्ग पर पहुंचे और बांस की सीढ़ी लगाकर जाम लगा दिया। यही सड़क पर नारेबाजी करने लगे। पुलिस कर्मियों ने लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन आक्रोशित लोग बिजली आपूर्ति चालू करने की मांग पर अड़े रहे। यहां दोनों पक्षों में तीखी झड़प भी हुई। इस दौरान मार्ग के दोनों तरह बस, ट्रक सहित बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहनों की कतार लग गई।उपभोक्ताओं का कहना था कि रात 9:45 बजे से बिजली गुल है। जिम्मेदार अधिकारी फोन नहीं उठा रहे। कोई ये नहीं बता रहा कि समस्या क्या है और आपूर्ति कब चालू होगी। एक बार किसी को फोन उठ रहा है तो सवाल पूछे जाने के बाद स्विच ऑफ कर दिया जा रहा है। उपकेंद्र पर मौजूद कर्मचारी भी कुछ स्पष्ट नहीं बता रहे। इसी वजह से उन्हें ये कदम उठाना पड़ा है। मुख्य अभियंता वीपी सिंह ने बताया कि 33 केवी लाइन में फॉल्ट आने के कारण यह संकट उत्पन्न हुआ। दूसरी ओर इलाकाई उपखंड अधिकारी ने संकट के दौरान उपभोक्ताओं को एक-एक घंटे के अंतराल पर कटौती करके बिजली आपूर्ति का दावा किया। इधर, उपभोक्ताओं का दावा था कि करीब 9:45 बजे गुल हुई बिजली रात एक बजे तक चालू नहीं हो सकी। इस कारण लगभग डेढ़ किलोमीटर के दायरे में पूरी तरीके से अंधेरा पसरा रहा। रात डेढ़ बजे तक हंगामे की स्थिति बनी रही।अहिबरनपुर उपकेंद्र के तहत सीतापुर रोड पर चार घंटे तक बिजली गुल होने के विरोध में लोग शनिवार रात लोग सड़क पर उतर आए और हंगामा करने लगे।

मीट की दुकानों पर मिला बर्ड फ्लू संक्रमण, अगले 21 दिन तक बंद रहेंगी मुर्गे की दुकानें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

गोरखपुर। शनिवार की सुबह नगर निगम, प्रशासन और पशु विभाग की टीम ने सबसे त्मेडिकल कॉलेज स्थित झुगिया चुंगी के पास लगने वाले बाजार में मीट की दुकानों से करीब 350 मुर्गों को मारकर दफन कर दिया। शहर में मीट की दुकानों पर बर्ड फ्लू के संक्रमण की पुष्टि हुई है। इसके बाद नगर निगम, जिला प्रशासन, चिकित्सा और पशुपालन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर मुर्गों को दफनाया। हालांकि, यह संक्रमण मुर्गों में नहीं बल्कि दुकान पर इस्तेमाल किए जाने वाले सामान में मिला है।पिछले दिनों पशुपालन विभाग की टीम ने शहर में संचालित मीट की दुकानों से सैंपल लेकर राष्ट्रीय उच्च पशुरोग संस्थान, भोपाल भेजा था। शुक्रवार की रात इसकी रिपोर्ट आई।इसके बाद शनिवार की सुबह नगर निगम, प्रशासन और पशु विभाग की टीम ने सबसे त्मेडिकल कॉलेज स्थित झुगिया चुंगी के पास लगने वाले बाजार में मीट की दुकानों से करीब 350 मुर्गों को मारकर दफन कर दिया। इसके बाद तारामंडल,भगत चौराहा और एल्युमिनियम फैक्ट्री के पास भी मुर्गों को मारकर दफन कर दिया गया।

प्रदेश में चुनाव व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी, आम जनता चुनेगी जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

लखनऊ। प्रदेश में चुनाव के स्तर के पर बड़ा बदलाव होने जा रहा है। जल्द ही ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष चुनने का अधिकार सीधा जनता के पास होगा। प्रदेश सरकार सांसद और विधायक की ही तरह यूपी में जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख का चुनाव भी सीधे जनता से कराने पर मंथन कर रही है। सूत्रों की माने तो प्रदेश सरकार जल्द ही इस बारे में केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेज सकती है। माना जा रहा है कि अगर केंद्र ने राज्य सरकार के इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दिया तो आगामी पंचायत चुनाव में ही इस नई चुनाव प्रक्रिया को लागू कर दिया जायेगा। राजभर का कहना है कि मुख्यमंत्री ने उनके इस प्रस्ताव से सहमति जताई है और जल्द ही प्रस्ताव केंद्र को भेजने का आश्वासन भी दिया है।उन्होंने कहा कि वह पिछले चुनाव में ही यह चाहते थे। अधिकारियों से इसके लिए प्रस्ताव तैयार कराने के लिए कहेंगे। इस मुलाकात के दौरान ओम प्रकाश राजभर के पुत्र सुभासपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव अरविंद राजभर भी साथ थे। राजभर ने बताया कि पिछले महीने उन्होंने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर भी इस मुद्दे पर चर्चा किया था, तो शाह ने भी जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख का चुनाव सीधे जनता से कराने पर हामी भरी थी। उन्होंने राज्य सरकार से प्रस्ताव भिजवाने को कहा था। राजभर ने कहा कि इसी कड़ी में होने मुख्यमंत्री से मिलकर अनुरोध किया है।

11 वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों पर मिली राजीव कृष्णा को तवज्जो

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

लखनऊ। यूपी का नया डीजीपी मिल गया है। 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्णा को डीजीपी नियुक्त किया है। प्रदेश सरकार ने वर्ष 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्णा को डीजीपी नियुक्त किया है। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष के साथ डायरेक्टर विजिलेंस की जिम्मेदारी संभाल रहे राजीव कृष्ण 11 वरिष्ठ आईपीएस अफसरों को सुपरसीड कर डीजीपी बनाए गए हैं। बता दें कि निवर्तमान डीजीपी प्रशांत कुमार को सेवा विस्तार नहीं मिल सका, जिसके बाद देर शाम राजीव कृष्णा को डीजीपी बनाने की घोषणा कर दी है। बता दें कि मूल रूप से गौतमबुद्धनगर के निवासी राजीव कृष्णा इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन से इंजीनियरिंग की है। उन्हें दो बार राष्ट्रपति का गैलेंट्री अवार्ड भी मिल चुका है। उनकी सेवानिवृत्ति में अभी चार वर्ष और एक माह का समय बाकी है, जिसकी वजह से वह लंबे समय तक प्रदेश के डीजीपी बने रह सकते हैं। दरअसल, प्रदेश में सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों सीधी भर्ती की लिखित परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद प्रदेश सरकार ने राजीव कृष्णा को भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी थी। उन्होंने परीक्षा को सकुशल संपन्न कराई, जिसकी वजह से उनकी काबिलियत का लोहा मानते हुए राज्य सरकार ने उन्हें प्रदेश पुलिस का मुखिया बनाने का फैसला लिया है। राजीव कृष्णा लखनऊ समेत कई जिलों के पुलिस कप्तान भी रह चुके हैं।

उत्तर प्रदेश

नोएडा, वाराणसी, गोरखपुर, मैहर, चित्रकूट

सपा नोएडा महानगर ने अहिल्या बाई होलकर की जयंती पर किया उनको यादः कार्यकर्ताओं ने लिया सामाजिक न्याय के लिए काम करने का संकल्प

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। सपा नोएडा महानगर ने नोएडा सेक्टर 33 स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता वह विधानसभा प्रभारी मनोज चौधरी की उपस्थिति में अहिल्या बाई होलकर जयंती धूमधाम से मनाने का काम किया। महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर विपरीत परिस्थितियों में भी धर्म और जन कल्याण की भावना से राज्य का संचालन किया समाज में समरसता और न्याय की मिसाल कायम की।

विधानसभा प्रभारी मनोज चौधरी ने कहा कि लोकमाता ने अपने अद्वितीय शासन कौशल से एक कुशल प्रशासक होने का प्रमाण दिया। साथी ही साथ उन्होंने पी डी ए वह बूथ को मजबूत करने पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में नोएडा विधानसभा पर्वेक्षक मनोज चौधरी, मुकेशभाई आश्रय गुप्ता, विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान, महासचिव विकाश यादव,सुनील चौधरी,मनोज चौहान, राघवेंद्र दूबे,मनोज गोयल,संजय त्यागी,मुकेश प्रधान,महकार तंवर, ऐड0 नितीस बशोया,अनिल पंडित, बाबा जयवीर सिंह ,मुन्ना आलम,राहुल अवाना,बब्बू यादव,राजेश अम्बावता,सुभाष भाटी,गौरव यादव, टीटू यादव, विनोद प्रधान, योगेश भाटी,गौरव सिंगल, बाबूलाल बंसल,बीरपाल प्रधान,अमित बैसोया,सुमित अमवावता,के पी यादव,शालिनी खारी,मोहित यादव,बबली शर्मा, रामबीर यादव, राम सहेली, विनोद प्रधान,मुकेश बीडीसी, सतवीर यादव, गौरव चौधरी, अनुराग यादव,बिल्लू शफी,रोहित यादव, कमल गौतम, सोनू त्यागी, शिवकुमार यादव, सौरव चौहान, मयंक लाल, गुलजार अहमद , मोहित गौतम, चिराग पंडित आदि मौजूद थे ।

अन्तर्राष्ट्रीय तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर ए०डी०आर० सेन्टर में आयोजित हुआ जागरुकता शिविर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली । उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार व माननीय अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश रायबरेली राजकुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर ए0डी0आर0 सेन्टर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली में विशेष विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनुपम शौर्य के द्वारा बताया गया कि इस दिन को मनाने का उद्देश्य तम्बाकू के खतरे के बारे में जागरुकता फैलाना है इस वर्ष विश्व तम्बाकू दिवस की थीम काफी खास है। विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2025 की थीम 'अपील को उजागर करनाः तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना' है। यह थीम तंबाकू और निकोटीन उद्योगों द्वारा अपने असुरक्षित उत्पादों को आकर्षक बनाने के लिए नियोजित भ्रामक तकनीकों को उजागर करने और चुनौती देने पर केंद्रित है - विशेष रूप से युवा लोगों के लिए। सचिव अनुपम शौर्य के द्वारा बताया गया कि भारत में नशीले पदार्थों का सेवन और इसकी लत एक उच्च जोखिम वाले नतीजों के रुप में सामने आई है, जो व्यक्ति, उनके परिवार और समाज के लिए खतरा है। इसके लिए रोकथान, सबसे प्रभावी दृष्टिकोण साबित हुआ है। जागरुकता कार्यक्रम में बताया गया कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने इस सम्बन्ध में ड्रग्स की मांग में कटौती करने के लिए एक राष्ट्रीय कार्य योजना तैयार की है। यह योजना एक अम्ब्रैला स्कीम है, जिसमें निवारक शिक्षा और जागरुकता सृजन, क्षमता निर्माण, उपचार और पुनर्वास, गुणवता मानकों की स्थापना, कमजोर क्षेत्रों में फोकल हस्तक्षेप, कौशल विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण और पूर्व-ड्रग्सओं का सर्वेक्षण, आजीविका का समर्थन, अध्ययन, मूल्यांकन और अनुसंधान के तत्व शामिल है। सचिव द्वारा बताया गया कि पूरे भारत में भांग और ओपियोइड्स के बाद इस्तेमाल किया जाने वाला सबसे आम नशीला पदार्थ है। देश में लगभग 16 करोड़ व्यक्ति शराब का सेवन करते है, 5 करोड़ से अधिक व्यक्ति हानिकारक या आश्रित शराब के उपयोग से प्रभावित होते है और उन्हें शराब के उपयोग की समस्याओं के लिए मदद की आवश्यकता होती है। उक्त अवसर पर नशे के लक्षणों एवं प्रभाव के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी। नशीले पदार्थों के सम्बन्ध में समाज में फैली भ्रामक सोचके सम्बन्ध में वास्तविक तथ्यों से भी परिचय कराया गया। नशे की लत होने पर नशा मुक्ति केन्द्र अथवा जिला अस्पताल से भी सही चिकित्सकीय उपचार करवाने व काउन्सिंल करवाने के उपरांत नशे की लत को समाप्त किया जा सकता है। सचिव द्वारा उपस्थित पराविधिक स्वयं सेवकों को इसका सेवन न करने की सलाह दी गयी साथ ही साथ यह भी कहा गया कि वह क्षेत्रों में आयोजित होने वाले शिविरों के माध्यम से भी आमजन को इसके प्रति जागरुक करें। इस अवसर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनुपम शौर्य द्वारा उपस्थित लोगों को तम्बाकू सेवन न करने की शपथ भी दिलाई गयी। उक्त जागरुकता शिविर में स्थाई लोक अदालत की सदस्या श्रीमती प्रीति पाण्डेय व श्रीमती सुधा रानी के द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।

मोबाईल फ्लैश में हुई अस्सी घाट की आरती, शटडाउन दे रहा गर्मी का करंट, उठ रहे सवाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। बिजली के शटडाउन से आम जनता में निराशा देखने को मिली और हद तो तब हो गई जब गंगा आरती के दौरान बिजली गुल हो गई। जनता ने अपने मोबाइल का फ्लैश ऑन किया और आरती संपन्न हुई। जानकारी के अनुसार एक घंटे बाद बिजली आ गई लेकिन जनता की माने तो शेडयूल बेमतलब है और लो वोल्टेज, लोकल फाल्ट की समस्या अधिक है। शहर से लेकर गांव तक बिजली कटौती को लेकर हाहाकार मचा है। बिजली कब चली जाएगी और कब आ जाएगी, इसका कोई शेडयूल ही नहीं होता है। शनिवार को कटौती का आलम यह रहा कि अस्सी घाट पर आरती के समय अंधेरा छा गया। लिहाजा वहां मौजूद लोगों ने मोबाइल की रोशनी जलाई, तब आरती हो सकी।शाम करीब 7 बजे गुल बिजली जब तक आई तब आरती खत्म हो चुकी थी।उधर शहर में चांदपुर, कंदवा, करौंदी में चार घंटे में पांच बार बिजली आई गई। कई मोहल्लों में लोकल फाल्ट के साथ ही बिजली की आवाजाही ने लोगों का सुख-चैन छीन लिया। गर्मी के मौसम पर पंखा, कूलर तो नहीं चल पा रहा है, पानी का भी संकट झेलना पड़। स्थिति यह है कि कहीं पैनल ब्लॉस्ट हो रहा है तो कहीं तार जलने की वजह से बिजली कट रही है।अस्सी घाट पर हर दिन शाम को करीब 6.30 बजे से लेकर एक घंटे से अधिक समय तक आरती होती है। शनिवार को आरती शुरू ही हुई थी कि बिजली कट गई। इस बीच वहां मौजूद लोगों ने मोबाइल का टार्च जलाया तब जाकर किसी तरह आरती हो सकीआरती करवाने वाली समिति के लोगों ने उपकेंद्र को फोन किया तो पता चला कि बिजली जल्द ही आ जाएगी लेकिन आपूर्ति बहाल होने में एक घंटा लग गया। करीब आठ बजे बिजली आई, तब तक आरती खत्म हो चुकी थी।अस्सी घाट पर जिस ट्रांसफार्मर से बिजली आपूर्ति होती है। उसका जंफर उड़ने की वजह से बिजली कट गई। सूचना मिलते ही तुरंत कर्मचारियों को भेजकर जंफर सही करवाया गया। करीब आधे घंटे में आपूर्ति बहाल हो गई। शहर में जिन जगहों पर कटौती की समस्या मिल रही है, वहां तत्काल समाधान करवाने को अधिकारियों से कहा गया है।- इसी सप्ताह ऊर्जामंत्री काशी दौरे पर आए थे तो अधिकारियों ने यह बताया कि काशी में बिजली कटौती नहीं हो रही है। साथ ही यह भी बताया कि शटडाउन नहीं लिया जा रहा है। इसके विपरीत काशीवासी बिजली कटौती को लेकर हाफ रहे हैं। पिछले तीन दिन से कटौती बढ़ गई है।शहर में आदित्यनगर करौंदी, जलालीपट्टी, बृजइन्क्लेव सुंदरपुर, चांदपुर, महेशपुर, भिटारी, लहरतारा, कंदवा में शुक्रवार की आधी रात से शनिवार की दिन और रात में भी बिजली की आवाजाही जारी रही।

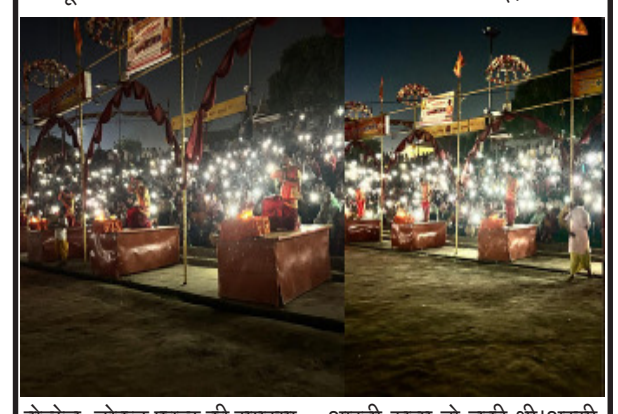

गोवंश को बेहोशी का इंजेक्शन लगा कर रेती में गाड़ते हैं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में पशु तस्करी को लेकर सरकार की ओर प्रयास किए जा रहे हैं। बावजूद इसके तस्कर कोई न कोई नया तरीका इजाद कर अपनी अवैध कमाई को जारी रखे हुए हैं। अमर उजाला ने पशु तस्करी पर गाजीपुर में ग्राउंड रिपोर्ट करवाई। इसमें जो मामले सामने आए, वह चौंकाने वाले हैं।गाजीपुर के करंडा में गंगा नदी का दियारा करीब तीन किलोमीटर लंबा है। एक तरफ गुरैनी तो दूसरी तरफ गोसंदेपुर उपरवार। भीषण गर्मी में गंगा की धार सिकुड़ रही है। रेत के बड़े-बड़े टीले दिख रहे हैं, यही टीले तस्करों के ठिकाने हैं। इलाके में पुलिस की सख्ती बढ़ने पर गायों, बछड़ों और सांड़ों को इन रेत के टीलों के पास गड्ढा खोदकर दबा दिया जाता है। इसके पहले पशुओं को बेहोशी का एक इंजेक्शन लगाया जाता है, ताकि कोई हरकत न करें। इसके बाद ऊपर से रेत डाल दी जाती है। सिर्फ मुंह ही बाहर निकला रहता है ताकि वह सांस ले सकें। इन टीलों के पास बने गड्ढे, घास-फूस के ढेर, खुरों के निशान,

ताजा गोबर और चार पहिया वाहनों के टायरों के निशान तस्करी की कहानी खुद ही बयां करते है दिन ढलते ही नावों, मैजिक से पशुओं को यहां से बिहार और पश्चिम बंगाल तक पहुंचाया जाता है। करंडा थाना क्षेत्र के चोचकपुर, गोसंदेपुर, धरमरपुर, जमानिया, स्टेशन रोड, नई बाजार, तालसपुर तिराहा होते हुए ककरैत से नुआव, बिहार पहुंचा देते हैं। करीब 15 किलोमीटर लंबे इस रास्ते में गाजीपुर के करंडा और जमानिया थाना क्षेत्र, चंदौली जिले के कंदवा थाना क्षेत्र की सीमा पड़ती है।यहां सीमा का निर्धारण ऐसा है कि तलासपुर तिराहा से ककरैत तक की करीब पांच किमी लंबी सड़क चंदौली और गाजीपुर जिले की सीमा को साझा करती है। इसी का फायदा तस्कर उठाते हैं। सीमा विवाद से बचने के लिए पुलिस इनको नहीं रोकती या फिर यूं कह सकते हैं कि पुलिस यहां पर दिखती ही नहीं है।ककरैत में कर्मनाशा नदी के पुल के उस पार बिहार के वन विभाग की चेक पोस्ट है, उससे करीब 200 मीटर आगे नुआंव में गायों, बछड़ों और सांड़ों को रखा जाता है। बेहद कमजोर गाय बछड़ों के साथ यहां मौजूद लोगों का कहना था कि वह व्यापारी हैं, यहां पशु खरीदने आते हैं।

दिवंगत माफिया मुख्तार अंसारी और उसकी पत्नी के साथ अब्बास, उमर के नाम पर दर्ज हैं कुल 15 मामले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

आजमगढ। मरहूम माफिया मुख्तार अंसारी के साथ उसकी पत्नी और बेटे अब्बास के साथ उमर पर कुल 15 मामले दर्ज हैं। आने वाले दिनों में इनकी दिक्कत और भी बढ़ सकती है। बता दें कि हेट स्पीच मामले में अब्बास अंसारी को दोषी करार दिया गया जिसके बाद अब मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। जिले में नफरती भाषण में दोषी सदर विधायक अब्बास अंसारी और उसके छोटे भाई उमर अंसारी पर तीन-तीन मुकदमे दर्ज हैं। इसमें अब्बास अंसारी पर दो मामले शहर कोतवाली में केस दर्ज है। वहीं उमर पर भी शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज है। वहीं दक्षिणटोला में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज है।दक्षिणटोला में दर्ज मुकदमे में दो धारा चार्जशीट में पुलिस ने बढ़ाई थी। एसपी इलामारन जी ने बताया कि इन दोनों के अलावा दिवंगत मुख्तार अंसारी के खिलाफ भी छह मुकदमे दर्ज हैं। इसमें दक्षिणटोला में चार जबकि सरायलंखसी थाने में दो मुकदमे हैं।इसमें दक्षिणटोला में 302, सीएलए एक्ट के साथ आयुध अधिनियम, दो यूपी गैंगस्टर एक्ट के साथ सरायलंखसी थाने में एक यूपी गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज था। वहीं उसकी पत्नी आफशा अंसारी पर शहर कोतवाली में दो जबकि दक्षिणटोला में एक मुकदमा दर्ज है। इसमें दक्षिण टोला में दर्ज मुकदमे में आफशा अंसारी पर गैंगस्टर एक्ट लगा हुआ है।मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. कृष्ण प्रताप सिंह ने शनिवार को 2022 विधानसभा चुनाव के दौरान नफरती भाषण और चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन में सदर विधायक अब्बास अंसारी और मंसूर अंसारी को दोषी पाया। अब्बास अंसारी को दो वर्ष की सजा के साथ ही कुल 11 हजार रुपये जुर्माना और मंसूर अंसारी को आपराधिक षड्यंत्र रचने के मामले में 6 माह की सजा के साथ ही एक हजार रुपये जुर्माना लगाया।अर्थदंड न देने पर दो वर्ष और एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र का है।

कुदरत का चमत्कार; औराई सीएचसी में महिला ने तीन बच्चों को दिया जन्म, जच्चा-बच्चा सुरक्षित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। समधा गांव की निवासी महिला ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया है। लोग इसे कुदरत का चमत्कार मान रहे हैं। जच्चा बच्चा दोनों पूरी तरह से सुरक्षित हैं और देखने वालों के लिए इनकी छवि अद्भुत मानी जा रही है।समधा गांव की निवासी राजकुमारी देवी ने शनिवार को औराई स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया। नवजातों में दो पुत्र और एक पुत्री शामिल हैं। चिकित्सकों की देखरेख में सुरक्षित डिलीवरी होने के बाद जच्चा और तीनों बच्चे पूरी तरह स्वस्थ हैं।समधा गांव निवासी राजकुमारी को प्रसव पीड़ा होने पर गांव की आशा कार्यकर्ता गायत्री देवी ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें समय पर औराई सीएचसी पहुंचाया।

अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों और स्टाफ की टीम ने तुरंत इलाज शुरू किया और सफलतापूर्वक तीनों बच्चों का प्रसव कराया। इस अनोखे प्रसव की खबर फैलते ही अस्पताल में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि फिलहाल मां और बच्चे डॉक्टरों की निगरानी में हैं और स्वस्थ हैं। स्थानीय लोगों और परिजनों ने आशा कार्यकर्ता गायत्री देवी की तत्परता और अस्पताल की चिकित्सकीय टीम के प्रयासों की सराहना की।

क्रिकेटर रिंकू सिंह और सांसद प्रिया इस तारीख में करेंगे शादी, सगाई की डेट भी हुई तय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

लखनऊ। क्रिकेटर रिंकू सिंह और सांसद प्रिया सरोज की शादी की तारीख तय हो गई है। साथ ही रिंग सेरेमनी की तारीख भी सामने आ गई है। आठ जून को लखनऊ में रिंग सेरेमनी होगी। शादी वाराणसी में होगीजौनपुर की मछलीशहर लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी सांसद प्रिया सरोज की रिंग सेरेमनी 8 जून को लखनऊ में होगी। उनकी शादी भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते सितारे रिंकू सिंह के साथ होनी है। शादी 18 नवंबर 2025 को वाराणसी के होटल ताज से होगी। इसमें क्रिकेट के सितारे, फिल्म जगत की हस्तियों और उद्योगपतियों का जमवाड़ा रहेगा। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स की तरफ से खेलने वाले अलीगढ़ के रिंकू सिंह की शादी प्रिया से तय है। इसकी पुष्टि पहली बार सांसद बनीं प्रिया सरोज के पिता व केराकत विधानसभा सीट से सपा विधायक तूफानी सरोज ने की थी। विधायक ने कहा था कि अलीगढ़ में रिंकू के परिजनों से मुलाकात हुई थी। परिजन शादी के लिए राजी हैं। आईपीएल के बाद दोनों की शादी होगी। अब रिंग सेरेमनी और शादी की तारीख तय हो गई है। सपा विधायक के करीबियों के मुताबिक, शादी

पारंपरिक रीति-रिवाज से होगी। इसमें देशभर प्रमुख राजनेता, क्रिकेटर, फिल्मी सितारे और समाजसेवी शामिल होंगे। यह रिश्ता दोनों परिवारों की सहमति और स्नेह से तय हुआ है। दोनों ने एक-दूसरे को समझने के लिए वक्त दिया और अब एक नई शुरुआत के लिए तैयार हैं। प्रिया सरोज पेशे से अधिवक्ता हैं। प्रिया और रिंकू एक दूसरे को पहले से जानते हैं। तूफानी सरोज ने बताया कि प्रिया की सहेली के पिता क्रिकेटर हैं। उनके जरिये ही रिंकू और प्रिया की जान-पहचान हुई थी। दोनों एक दूसरे को पहले से जानते हैं। दोनों का कहना था कि परिजनों की रजामंदी से शादी करेंगे। परिजनों के बीच भी सार्थक बातचीत हो गई। रिंकू सिंह का जन्म 12 अक्तूबर 1997 को अलीगढ़ के बेहद साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता खानचंद्र गैस एजेंसी पर सिलिंडर वितरण का काम करते थे। उन्होंने खुद शुरुआत में सिलिंडर वितरण के काम में पिता का हाथ बंटाया और गरीबी से लड़ते हुए क्रिकेट के मैदान पर अपनी जगह बनाई।सबसे पहले डीपीएस के मैदान पर आयोजित इंटरनेशनल स्कूली विश्वकप में मैन ऑफ द सीरीज का खिताब जीतकर सुर्खियां बटोरीं। क्रिकेट के जानकारों का ध्यान जब उनकी ओर गया तो उनका सफर शुरू हुआ और वह आईपीएल में पहुंचे। इसी दौरान केकेआर की ओर से खेलते हुए 2023 में शानदार प्रदर्शन के बाद वे देश में चर्चित हुए।

लावारिस सूटकेस मिला, मचा हड़कंप, बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। शहर के मालवीय मार्केट में लावारिस अटैची मिलने की सूचना के बाद हड़कंप मच गया। आनन-फानन में बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा और जांच की जिसके बाद सूटकेस खाली मिला लेकिन ये किसका था और कहां से पहुंचा इसकी जानकारी अभी नहीं मिल पाई है लिहाजा सतर्कता बरती जा रही है। कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत मैदागिन स्थित मालवीय मार्केट में शनिवार की रात उस समय हड़कंप मच गया, जब वहां दो लावारिस अटैची पड़ी होने की सूचना मिली। अटैचियों को संदिग्ध मानते हुए स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी।सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस के साथ बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बम निरोधक दस्ते की जांच टीम ने दोनों अटैचियों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान आसपास की दुकानों को भी एहतियातन बंद कराया गया।टीम ने पूरी सतर्कता के साथ अटैचियों को खोला, लेकिन राहत की बात यह रही कि दोनों अटैची खाली निकलीं। इस संबंध में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक दया शंकर सिंह ने बताया कि दोनों लावारिस अटैचियों को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि ये अटैची किसकी हैं और यहां कैसे पहुंचीं। फिलहाल इलाके में स्थिति सामान्य है सतर्कता बरती जा रही है।

रिहंद डैम पर निरीक्षण के दौरान मधुमक्खियों का हमला, मची अफरा-तफरी, दस अधिकारी-कर्मचारी घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। सिंचाई विभाग की टीम फाटक में हो रहे कंपन की जांच करने पहुंची टीम पर मधुमक्खियों ने हमला बोल दिया। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। खुद को बचाने के लिए लोग इधर उधर भागने लगे। घटना में दस अधिकारी और कर्मचारी घायल हो गए हैं जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।पिपरी स्थित रिहंद डैम के फाटक की जांच करने शनिवार की दोपहर पहुंची सिंचाई विभाग की टीम पर मधुमक्खियों ने अचानक हमला कर दिया। जिसमें 10 अधिकारी-कर्मचारी घायल हो गए। जिन्हें हिंडाल्को चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।शनिवार की सुबह करीब 11 बजे सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता रूपेश कुमार खरे, अधीक्षण अभियंता सीलचंद उपाध्याय, एसडीओ प्रसून उत्तम, रविंद्र नाथ सोनकर, राजीव कुमार सोनकर, आनंद श्रीवास्तव सहित कई अधिकारी रिहंद बांध का निरीक्षण करने के लिए गए थे।विज्ञापन सिंचाई विभाग की यह टीम शनिवार को डैम टॉप पर स्थित फाटक में हो रहे वाइब्रेशन (कंपन) की जांच करने पहुंची थी। जैसे ही फाटक खोला गया, नीचे छत्ते में मौजूद मधुमक्खियां अचानक सक्रिय हो गईं और पूरे दल पर हमला कर दिया।हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कई लोग जान बचाने के लिए दौड़ पड़े। भागते समय कई अधिकारी गिर गए। जिससे उन्हें मधुमक्खियों के डंक के अलावा गिरने से भी चोटें आईं। अधीक्षण अभियंता सीलचंद उपाध्याय को गंभीर चोटें आई हैं अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को भी मधुमक्खियों ने बुरी तरह काटा। घायलों को तत्काल हिंडाल्को अस्पताल की इमरजेंसी यूनिट में भर्ती कराया गया। वहां से उपचार के बाद सभी को डिस्चार्ज कर दिया गया।सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता रूपेश खरे ने बताया कि शनिवार को बांध के गेटों की रूटीन चेकिंग चल रही थी। इस दौरान हलचल होने पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। बताया कि पूर्व में मधुमक्खी के छत्तों को हटाने के लिए जल विद्युत निगम की तरफ से फंड दिया जाता था। मगर दो वर्ष से कोई फंड नहीं मिला, जिससे मधुमक्खियों के छत्ते नहीं हटाए जा सके और यह घटना हो गई।

मिर्जापुर, सोनभद्र, रायबरेली

सेना के अदम्य साहस, गौरव के सम्मान में निकाली गई गौरव यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। भारतीय मातृशक्ति गौरव समिति सोनभद्र द्वारा भारतीय सेना के अदम्य साहस, से गौरव एवं सूझ बूझ के सम्मान में गौरव यात्रा का कार्यक्रम रामलीला मैदान रॉबर्ट्सगंज के प्रांगण में आयोजित किया गया। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने अपना सशक्त प्रतिरोध दर्शाया व दुनिया को यह समझा दिया कि यह नये युग का भारत है जो किसी भी प्रकार के अन्याय को बर्दाश्त नहीं कर सकता है । उक्त कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर शीला सिंह जिला प्रभारी महिला समन्वय विंध्याचल विभाग मिर्जापुर एवं उपाध्यक्ष सेवा भारती समिति मिर्जापुर व डॉक्टर मंजू द्विवेदी संयोजिका भारतीय महिला समन्वय काशी प्रांत उपस्थित रहे। जिन्होंने अपने उद्?द्बोधन में समाज व देश की पुलिस की भूमिका पर प्रकाश डाला उन्होंने अपने उ?द्बोधन से सभी महिलाओं में जोश भर दिया व कार्यक्रम की सफलता के लिए बहुत-बहुत बधाई भी दी। वहीं दूसरी ओर सी ओ सिटी ने अपने उ?द्बोधन में ऑपरेशन सिंदूर के महत्ता और नए प्रकार से हुए सैन्य ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन भारतीय मातृशक्ति गौरव समिति रॉबर्ट्सगंज की विभाग संयोजिका चित्रा जालानजी ने सभी वक्ताओं का परिचय व स्वागत सम्मान भी किया। जिला संयोजिका नीतू संजीवीया ने आगंतुकों का स्वागत व मुख्य वक्ताओं को तिलक लगाकर किया। उक्त कार्यक्रम रामलीला मैदान रॉबर्ट्सगंज से शुरू होकर स्वर्ण जयंती चौराहे पर समाप्त हुआ। इस गौरव यात्रा में लगभग 500 मात्र शक्तियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया व आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का आह्वान भी किया। कार्यक्रम में सोनभद्र के तीनों जिलों से महिलाएं बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेती नजर आई और कार्यक्रम को सफल सफल बनाने में अपना भारी योगदान दिया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद पुष्पा सिंह, रूबी गुप्ता, डॉक्टर सुषमा सिंह, गुड़ियात्रिपाठी, डॉक्टर अंजली विक्रम, रितु जालान, अनीता थर्ड, नीलम जायसवाल, रितु अग्रहरी श्वेता केसरी माला सिंह रिंकी यादव अंजलि बरनवाल रिकेश्वरी मिश्रा ,मीनू चौबे आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विभाग संयोजिका श्रीमती चित्रा जालान के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने सभी का आदर व्यक्त किया एवं कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का ह्रदय से धन्यवाद किया ।

सोन नदी में डुबे व्यक्ति का तीसरे दिन शव हुआ अम्मा टोला से बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

डाला सोनभद्र। स्थानीय पुलिस चौकी क्षेत्र के बाडी सोन नदी के किनारे शुक्रवार दोपहर भैंस चराने जो की चोपन थाने में तहरीर देकर खोजबीन करने का गुहार लगाई गई थी जिसके उपरांत डाला बारी से बहकर तीसरे दिन रविवार को

गए व्यक्ति का शव हुआ बरामद,रो रो कर परिजनों का हुआ बुरा हाल मिली जानकारी के मुताबिक मृतक रमेश यादव उम्र 40 वर्ष पुत्र स्वर्गीय रामरक्षा यादव निवासी बाड़ी गांव जो हर दिन के भांति शुक्रवार को सुबह लगभग ग्यारह बजे भैंस चराने नदी के तरफ गया था डूबने की आशंका जताई जा रही थी सुबह साढ़े आठ बजे चोपन थाना क्षेत्र के मिटीहिनी अम्मा टोला सोन नदी के किनारे बालू पर पड़ा हुआ था जिसको मछुआरों ने देखा और इस सूचना मृतक के परिजनों को सूचना दिया गया वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंची डाला पुलिस ने शव को कब्जे लेकर अग्रीम कारवाई जुट गई।

अन्तर्राष्ट्रीय तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर ए0डी0आर0 सेन्टर में आयोजित हुआ जागरुकता शिविर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार व माननीय अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश रायबरेली राजकुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर ए0डी0आर0 सेन्टर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली में विशेष विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनुपम शौर्य के द्वारा बताया गया कि इस दिन को मनाने का उद्देश्य तम्बाकू के खतरे के बारे में जागरुकता फैलाना है इस वर्ष विश्व तम्बाकू दिवस की थीम काफी खास है। विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2025 की थीम 'अपील को उजागर करनाः तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना' है। यह थीम तंबाकू और निकोटीन उद्योगों द्वारा अपने असुरक्षित उत्पादों को आकर्षक बनाने के लिए नियोजित भ्रामक तकनीकों को उजागर करने और चुनौती देने पर केंद्रित है - विशेष रूप से युवा लोगों के लिए। सचिव अनुपम शौर्य के द्वारा बताया गया कि भारत में नशीले पदार्थों का सेवन और इसकी लत एक उच्च जोखिम वाले नतीजों के रुप में सामने आई है, जो व्यक्ति, उनके परिवार और समाज के लिए खतरा है। इसके लिए रोकथान, सबसे प्रभावी दृष्टिकोण साबित हुआ है। जागरुकता कार्यक्रम में बताया गया कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने इस सम्बन्ध में ड्रग्स की मांग में कटौती करने के लिए एक राष्ट्रीय कार्य योजना तैयार की है। यह योजना एक अम्ब्रैला स्कीम है, जिसमें निवारक शिक्षा और जागरुकता सृजन, क्षमता निर्माण, उपचार और पुनर्वास, गुणवता मानकों की स्थापना, कमजोर क्षेत्रों में फोकल हस्तक्षेप, कौशल विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण और पूर्व-ड्रग्सओं का सर्वेक्षण, आजीविका का समर्थन, अध्ययन, मूल्यांकन और अनुसंधान के तत्व शामिल है। सचिव द्वारा बताया गया कि पूरे भारत में भांग और ओपियोइड्स के बाद इस्तेमाल किया जाने वाला सबसे आम नशीला पदार्थ है। देश में लगभग 16 करोड़ व्यक्ति शराब का सेवन करते है, 5 करोड़ से अधिक व्यक्ति हानिकारक या आश्रित शराब के उपयोग से प्रभावित होते है और उन्हें शराब के उपयोग की समस्याओं के लिए मदद की आवश्यकता होती है। उक्त अवसर पर नशे के लक्षणों एवं प्रभाव के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी। नशीले पदार्थों के सम्बन्ध में समाज में फैली भ्रामक सोचके सम्बन्ध में वास्तविक तथ्यों से भी परिचय कराया गया। नशे की लत होने पर नशा मुक्ति केन्द्र अथवा जिला अस्पताल से भी सही चिकित्सकीय उपचार करवाने व काउन्सिंल करवाने के उपरांत नशे की लत को समाप्त किया जा सकता है। सचिव द्वारा उपस्थित पराविधिक स्वयं सेवकों को इसका सेवन न करने की सलाह दी गयी साथ ही साथ यह भी कहा गया कि वह क्षेत्रों में आयोजित होने वाले शिविरों के माध्यम से भी आमजन को इसके प्रति जागरुक करें। इस अवसर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनुपम शौर्य द्वारा उपस्थित लोगों को तम्बाकू सेवन न करने की शपथ भी दिलाई गयी। उक्त जागरुकता शिविर में स्थाई लोक अदालत की सदस्या श्रीमती प्रीति पाण्डेय व श्रीमती सुधा रानी के द्वारा भी प्रतिभाग किया गया।

दोनों आंखों से अंधी महिला की जहरीले सांप के काटने से हुई मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

चोपन/सोनभद्र। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिंदुरिया में एक चौका देने वाली घटना सामने आई। जहां एक जहरीले सांप के काटने की वजह से महिला की मौत हो गई । प्राप्त जानकारी के अनुसार लालती देवी पत्नी लालता भारती उम्र लगभग 45 वर्ष जो दोनों आंखों से अंधी है साथ ही उसका पति भी दोनों पैर से विकलांग है घटना के बारे में बताया गया कि घर के आंगन में अचानक पाला हुआ मुर्गा अचानक जोर जोर से फड़फड़ाने लगा जिसके बाद महिला ने आवाज सुनकर उस स्थान पर पहुंच गई जहां पहले से ही जहरीले सांप ने मुर्गे को अपना शिकार बना चुका था जैसे ही महिला ने मुर्गे को छुना चाहा तभी उसके उंगली में सांप ने काट लिया हो हल्ला सुनकर आसपास के लोग जब पहुंचे तो मुर्गा वहीं मरा पड़ा हुआ था उधर ग्रामीणों ने महिला को अंधविश्वास के तहत झाड़ फूंक करने लगे हालत बिगड़ने के बाद उसे अस्पताल लेकर जाने लगी परन्तु वह रास्ते में ही दम तोड़ दी उधर घटना की सुचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार चौरसिया मौके पर पहुच कर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई में जुट गये।

ट्रक के टक्कर से बाइक सवार हुआ घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

डाला सोनभद्र। डाला सोनभद्र स्थानीय पुलिस चौकी क्षेत्र के बाड़ी को गंभीर बतते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया प्राप्त जानकारी के मुताबिक धनेश कुमार

खन्ना कैंप के पास रविवार लगभग 10:30 बजे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मारते हुए मौके से हुआ फरार बाइक सवार गंभीर रूप से हुआ घायल वहीं स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना कि जानकारी एंबुलेंस 108 नंबर व 112 दिया सूचना दिया सूचना पाकर पहुंचे एंबुलेंस ने घायल युवक को चोपन समुदाय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने पैर प्रजापति उम्र 34 वर्ष पुत्र छटंकी लाल प्रजापति निवासी रुदौली मिर्जापुर जो बाइक से चोपन की तरफ से डाला की तरफ जा रहे थे जैसे ही बाडी खन्ना कैंप के पास पहुंचे बाइक को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में लेते हुए अग्रिम कार्रवाई में जुड़ गई। घायल युवक सिंचाई विभाग में भूमि संरक्षण के पद पर कार्यरत है।

बाहर सोते रहे लोग, चोरों ने खंगाल दिए घर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मड़िहान। क्षेत्र के गंगापुर में चोरों ने शुक्रवार की रात दो घरों से हजारों रुपये के जेवरात चोर ले

गए। सुबह सिवान में खाली बाक्स व अलमारी पाई गई। पुलिस ने मौका मुआयना किया लेकिन चोरों का सुराग नहीं मिला।पीड़ित अशोक कुमार शुक्ला ने बताया कि शाम को खाना खाने के बाद घर के सभी सदस्य बाहर सोने चले गए। मौका पाकर चोर बांस की सीढ़ी के सहारे छत पर चढ़कर कमरे में प्रवेश कर गए। अलमारी व बाक्स घर के पीछे सिवान में उठा ले गए। ताला तोड़कर - उसमें रखा कीमती सामान और नकद उठा ले गए। आभूषण में सोने का हार, मंगल सूत्र, मांग टिका, नथिया, झाला, बाला, चांदी तथा चांदी छागल, लरी, पायल व बिछिया समेत उपभोग के अन्य समान चोरी किया।सुबह कमरों का दरवाजा खुला मिला। पड़ोसी विमल शुक्ला का परिवार प्रयागराज में रहता है। उनके खाली मकान में घुसकर चोर समान ले गए। परिवार को घटना की सूचना दे दी गई है। चोरी की तहरीर पर मड़िहान पुलिस छानबीन में जुटी है। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि चोरी की सूचना मिली है। जांच की जा रही है। जल्द ही खुलासा करने का प्रयास है।

बार एसोसिएशन गौतमबुद्ध नगर द्वारा किया गया विराट ज्ञान संगम का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा । नोएडा सेक्टर 52 स्थित वेडिंग विला इंप्रेशन हॉल में बार एसोसिएशन गौतमबुद्ध नगर द्वारा विराट ज्ञान संगम का आयोजन किया गया जिसमें उत्तर प्रदेश के

प्रत्येक जिले से बार एसोसिएशन के अध्यक्ष महासचिव सहित अन्य अधिवक्ता सम्मिलित हुए कुल 538 अधिवक्ता इस सम्मेलन में अन्य जिलों से उपस्थित हुए इसके अतिरिक्त गौतम बुद्ध नगर के अधिवक्ता उपस्थित थे। यह आयोजन तीन चरणों में किया गया प्रथम चरण में मुख्य अतिथि सभापति विधान परिषद, उत्तर प्रदेश कुंवर मानवेंद्र सिंह तथा विशिष्ट अतिथि वृजपाल सिंह ऊर्जा सलाहकार मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश उपस्थित हुए उनके समक्ष धारा 129 पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य वक्ता दिल्ली के वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेश अग्रवाल के द्वारा जीएसटी में आ रही विसंगतियों के ऊपर अधिवक्ताओं को ज्ञान अर्जन कराया गया। द्वितीय सत्र में उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें जीएसटी में व्यापारियों को आ रही परेशानियों के संबंध में अधिवक्ताओं के द्वारा बताया गया और उसके निस्तारण हेतु। आगे की कार्रवाई शासन के समक्ष रखने हेतु कहीं गई। तृतीय सत्र में सांसद डॉ महेश शर्मा की उपस्थिति में संस्था की स्मारिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कलाकारों द्वारा सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया। नवगठित कार्य कारिणी का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से संस्था के पेट्रन और पी यादव अध्यक्ष श्री डी के शुक्ला महासचिव प्रदीप शर्मा, उपाध्यक्ष रेनू त्यागी, कोषाध्यक्ष, राजेश यादव, चेयरमैन, अरविंद कालरा, मुख्य आयोजक दिनेश शुक्ला , राघवेंद्र दुबे, प्रमेंद्र भाटी , गोरेलाल कुमार सहित तमाम गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

महिला सशक्तीकरण की मिसाल है राजमाता अहिल्याबाई होल्कर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर। अहिल्याबाई होल्कर के जन्म त्रिशताब्दी समारोह के तहत शनिवार को कई कार्यक्रम हुए। प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने विंध्याचल के दीवान घाट पर गंगा की आरती की तो भाजपा वे? जिला कार्यालय पर प्रतियोताओं के के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। विंध्याचल के दीवान घाट पर मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने अहिल्याबाई होल्कर की जीवनी पर चर्चा की। कहा कि माता अहिल्या बाई धर्म व आस्था के प्रति पूरे देश में भ्रमण करके कई मंदिरों व धर्मशालाओं का निर्माण कराया। इसके बाद उन्होंने मां गंगा की महाआरती किया।संचालन अभियान जिला संयोजक व जिला उपाध्यक्ष भाजपा दिनेश प्रताप सिंह वहेमंत त्रिपाठी ने किया।क्षेत्रीय अध्यक्ष काशी दिलीप पटेल, विधायक नगर रत्नाकर मिश्र, विधायक मझवां शुचिस्मिता मौर्या, एमएलसी श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह, अध्यक्ष जिला पंचायत राजू कन्नौजिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुन्दर केसरी, पूर्व सांसद राज्यसभा रामसकल, क्षेत्रीय मंत्री राजेश राजभर, पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज जायसवाल आदि थे। भाजपा कार्यालय में जिला प्रभारी सरोज कुशवाहा और जसविंदर सिंह सरना (गोल्डी) ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने की। आभा पटेल, निर्मला राय, जगदीश सिंह पटेल, रवि शंकर पाण्डेय और दिनेश वर्मा आदि मौजूद थे।

पुरुष बंदी कर सकेंगे कसरत, महिलाएं साड़ी की बुनाई करेंगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर। जिला कारागार में बंद बंदी खेत और बागवानी का काम करने के साथ स्वस्थ रहने के लिए जिम में कसरत भी कर सकेंगे। वहीं, महिला बंदी भी साड़ी की बुनाई कर कमाई कर सकेंगी। शनिवार को डीएम प्रियंका निरंजन और एसएसपी सोमेन बर्मा ने जेज में बंदियों के लिए ओपेन जिम का उद्घाटन किया निरीक्षण के दौनान जिलाधिकारी ने महिला बंदियों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए कच्चा माल भेजकर बनारसी साड़ी बुनाई का प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया। साथ ही कारागार में हथकरघा लगवाने के लिए भूमि चिह्नित कर प्रस्ताव भेजने के लिए कहा। दोनों अधिकारियों ने बैरकों में रह रहे कैदियों के सामान की जांच की।साथ ही भोजन की गुणवत्ता और किचन की सफाई व्यवस्था को देखी। जिलाधिकारी ने कैदियों से बातचीत कर जेल में मिल रहीं सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जेल अधीक्षक को बैरकों की खिड़कियों में जाली लगवाने के निर्देश दिए, ताकि मच्छर से बचाव हो सकें। जेल अधीक्षक ने बताया कि जेल में इस समय 679 पुरुष और 29 महिला बंदी हैं।

तीसरी पत्नी ने पति पर लगाया चौथी शादी का आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

जिगना। क्षेत्र के चितौली गांव की विवाहिता ने शनिवार को थाने में तहरीर देकर पति पर चौथी शादी करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना है।क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने पहली पत्नी को छोड़ दूसरी शादी कर ली थी। 10 वर्ष पहले उसने दूसरी पत्नी को छोड़कर तीसरी शादी कर ली थी। जिगना थाना क्षेत्र के चितौली गांव की उसकी तीसरी पत्नी ने तहरीर देकर बताया कि तबीयत खराब होने पर वह अपनी दो बेटियों को लेकर मायके चली गई। इस बीच 30 मई को पति ने चौथी शादी कर ली।शनिवार को जब वह घर पहुंची तो तो उसे शादी की जानकारी हुई। आरोप लगाया कि पति घर से निकालने और जान से मारने की धमकी दे रहा है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि आरोपी की पत्नी ने चौथी शादी करने की तहरीर दी है। मामले की जांच की जा रही है।

विवाह के दस दिन बाद ही प्रेमी संग भाग गई विवाहिता, गांव में पंचायत के बाद बढ़ा विवाद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। विवाह के अभी दस दिन ही पूरे हुए थे कि विवाहिता प्रेमी के साथ भाग गई। मामला संज्ञान में आने के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। गांव में पंचायत बैठी लेकिन युवती प्रेमी के साथ रहने की जिद पर अड़ी हुई है। ससुराल पक्ष शादी के खर्च की भरपाई की मांग कर रहा है। मामले की सूचना पर पुलिस भी जांच में जुट गई है। म्योरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की नवविवाहिता शादी के महज दस दिन बाद ही अपने प्रेमी संग फरार हो गई। मामला सामने आने के बाद दोनों पक्षों में जमकर कहासुनी हुई और गांव में पंचायत बैठाई गई। ससुराल पक्ष ने शादी में हुए खर्च की भरपाई की मांग की है। वहीं युवती अपने प्रेमी के साथ रहने की जिद पर अड़ी हुई है।म्योरपुर थाना क्षेत्र की एक युवती की शादी 17 मई को बभनी थाना क्षेत्र के एक गांव के युवक से पूरे रीति-रिवाज के साथ संपन्न हुई थी। सब कुछ सामान्य चल रहा था, लेकिन शादी के दस दिन बाद ही युवती ने अपने कथित प्रेमी को फोन कर ससुराल बुला लिया और उसके साथ फरार हो गई। घटना की जानकारी जब ससुराल पक्ष को हुई तो उन्होंने इसकी सूचना युवती के मायके वालों को दी।इसके बाद युवती के परिजन सक्रिय हुए और बेटी को उसके प्रेमी के साथ बरामद कर लिया। मामला गंभीर होता देख गांव में पंचायत बुलाई गई, जहां ससुराल पक्ष ने शादी में हुए खर्च की भरपाई की मांग रख दी। वहीं युवती ने स्पष्ट किया कि म्योरपुर में पढ़ाई के दौरान ही उसे अपने प्रेमी से लगाव हो गया था और अब वह उसी के साथ रहना चाहती है दूसरी ओर, युवक का भी कहना है कि युवती ने उसे खुद बुलाया था, इसलिए वह उसे लेकर आया। युवती के परिजनों ने पूरे मामले की लिखित शिकायत म्योरपुर थाने में दी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

स्पोर्ट्स

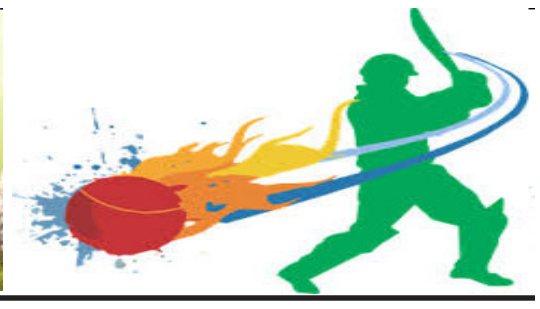

स्वियातेक और सबालेंका फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में, अल्कारेज और टियाफो भी अगले राउंड में पहुंचे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। तीन बार की ग्रैंडस्लैम विजेता सबालेंका ने ओल्गा डैनिलोविच को 6-2, 6-3 से हराया, जबकि अपने पांच मेजर खिताब में से चार रोलां गैरां में जीतने वाली स्वियातेक ने जैकलीन क्रिस्टियन को 6-2, 7-5 से हराकर फ्रेंच ओपन में लगातार 23 मैच में जीत दर्ज की।गत महिला चैंपियन इगा स्वियातेक और शीर्ष रैंकिंग पर काबिज आर्यना सबालेंका ने शुक्रवार को एक भी सेट गंवाए बिना फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम के चौथे दौर में प्रवेश किया। वहीं, पुरुष एकल में स्पेन के कार्लोस अल्कारेज और फ्रांसेस टियाफो ने भी अगले दौर में जगह बनाई। तीन बार की ग्रैंडस्लैम विजेता सबालेंका ने ओल्गा डैनिलोविच को 6-2, 6-3 से हराया, जबकि अपने पांच मेजर खिताब में से चार रोलां गैरां में जीतने वाली स्वियातेक ने जैकलीन क्रिस्टियन को 6-2, 7-5 से हराकर फ्रेंच ओपन में लगातार 23 मैच में जीत दर्ज की। स्वियातेक का दूसरा सेट एक घंटे 16 मिनट तक चला। 27 वर्षीय सबालेंका इस साल छह एकल फाइनल में पहुंच चुकी हैं, लेकिन स्वियातेक पिछले साल लगातार अपना तीसरा फ्रेंच ओपन खिताब जीतने के बाद पहले फाइनल में पहुंचने की कोशिश में जुटी हैं। महिलाओं के अन्य मुकाबलों में ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने 18 वर्षीय क्वालिफायर विक्टोरिया एमबोको को 6-3, 6-4, से मात दी, जबकि 16वें नंबर की खिलाड़ी अमांडा एनिसिमोवा और लियूडमिला सैमसोनोवा ने भी अपने मुकाबले जीत लिए।पुरुष वर्ग के तीसरे दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त अल्कारेज ने जुम्बुर को 6-1, 6-3, 4-6, 6-4 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। 15वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसेस टियाफो ने हमवतन कोर्डा को 7-6, 6-3, 6-4 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। पुरुषों के अन्य मुकाबलों में आठवें नंबर के लोरेंजो मुसेटी ने मारियानो नावोने को, होल्गर रूने ने फ्रांस के क्वेंटिन हालिस को और अमेरिका के 12वें वरीय टॉमी पॉल ने कारेन खाचानोव को हराकर अगले दौर में जगह बनाई।इससे पहले विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज पुरुष खिलाड़ी यानिक सिनर और महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गॉफ बृहस्पतिवार को जीत के साथ अगले दौर में आगे बढ़ने में सफल रहे। सिनर ने दूसरे दौर के मुकाबले में फ्रांस के 38 साल के रिचर्ड गासकेट को 6-3, 6-0, 6-4 से हराकर उनका करियर समाप्त किया। गासकेट ने पहले ही फ्रेंच ओपन के बाद संन्यास की घोषणा की थी।तीसरे नंबर पर काबिज अलेक्जेंडर ज्वेरेव और 14 नंबर के खिलाड़ी आर्थर गेल मोनफिल्स को हराया। ब्रिटेन के पांचवें वरीयता प्राप्त जैक ड्रेपर ने दूधिया रोशनी में तीन घंटे से अधिक समय तक चले मैच में फ्रांस के दिग्गज मोनफिल्स को 6-3, 4-6, 6-3, 7-5 से मात दी। गॉफ ने महिला वर्ग के मैच में 23 असहज गलतियां करने के बावजूद चेक गणराज्य की टेरेजा वैलेंटोवा पर आसान जीत दर्ज की। दूसरी वरीयता प्राप्त गॉफ ने 18 साल की खिलाड़ी के खिलाफ 75 मिनट तक चले मुकाबले को 6-2, 6-4 से जीता। गॉफ के सामने अगले दौर में चेक गणराज्य की एक अन्य खिलाड़ी मारिया बौजकोवा की चुनौती होगी।महिला वर्ग में अन्य विजेताओं में तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला, ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन मैडिसन कीज, 18 वर्षीय मीरा एंड्रीवा और 2023 विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंड्रोसोवा शामिल थी। साल 2019 की उपविजेता वोंड्रोसोवा इस साल गैर-वरीयता प्राप्त हैं।

माफी मांगने के बाद मानहानि मामले में बजरंग पूनिया को राहत, दिल्ली की अदालत ने खत्म किया केस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। दहिया ने दावा किया था कि बजरंग ने अन्य पहलवानों और लोगों के साथ मिलकर 10 मई 2023 को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके खिलाफ आपत्तिनजक टिप्पणी की थी। दिल्ली की एक अदालत ने ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला खत्म कर दिया है। गुरुवार को पूनिया ने कोच और शिकायतकर्ता नरेश दहिया से बिना शर्त के माफी मांगी थी। न्यायाधीश ने 29 मई को मामला तब बंद कर दिया जब

दोनों पक्षों ने अदालत में प्रस्तुत किया कि उन्होंने मामले को आपस में सुलझाने का फैसला किया है।न्यायाधीश ने आदेश में कहा, 'मामला सुलझाया गया।' दहिया ने दावा किया था कि बजरंग ने अन्य पहलवानों और लोगों के साथ मिलकर 10 मई 2023 को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके खिलाफ आपत्तिनजक टिप्पणी की थी।बजरंग ने 10 मई 2023 को जंतर मंतर पर धरने के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि नरेश दहिया खुद बलात्कार के आरोपी हैं इसलिए उन्हें उनके विरोध प्रदर्शन पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है। इसके बाद दहिया ने बजरंग को अदालत में घसीटकर मानहानि का मुकदमा दायर किया था। बजरंग को अदालत ने समन जारी किया था और उन्हें चौथी सुनवाई में जमानत भी दे दी थी। बजरंग ने 17 मई को कोच से माफी मांगी और अपने किए पर खेद जताया।बजरंग ने अपने माफीनामे में कहा, 'मैं जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के समय हुई प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कोच नरेश दहिया के खिलाफ दिए गए गलत और असंवेदनशील बयान के लिए बिना शर्त माफी मांगता हूं। मैं कोच नरेश दहिया की छवि को हुए नुकसान और उनके खिलाफ मेरे गलत और असंवेदनशील बयान के कारण उनके प्रियजनों को हुए दर्द और पीड़ा के लिए गहरा खेद व्यक्त करता हूं। वह एक प्रतिष्ठित कोच हैं और उन्होंने देश को अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। मैं एक बार फिर खेद व्यक्त करते हुए उनसे और उनके प्रियजनों से दिल से माफी मांगता हूं।

मुंबई इंडियंस क्वालिफायर 2 में पंजाब से भिड़ेगी; गुजरात टाइटंस का सफर खत्म

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। शुक्रवार को न्यू चंडीगढ़ में खेले गए एलिमिनेटर मैच में मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 228 रन बनाए। जवाब में गुजरात निर्धारित ओवरों में छह विकेट खोकर सिर्फ 208 रन बना पाई। उनके लिए साई सुदर्शन ने 80 रन बनाए। 20 रन से जीतकर मुंबई इंडियंस क्वालिफायर-2 में पहुंच गई है। मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटंस को 20 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ हार्दिक पांड्या के नेतृत्व वाली टीम क्वालिफायर-2 में पहुंच गई है। अब उसका सामना एक जून को अहमदाबाद में पंजाब किंग्स से होगा। शुक्रवार को न्यू चंडीगढ़ में खेले गए एलिमिनेटर मैच में मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 228 रन बनाए। जवाब में गुजरात निर्धारित ओवरों में छह विकेट खोकर सिर्फ 208 रन बना पाई। उनके लिए साई सुदर्शन ने 80 रन बनाए। गुजरात की शुरुआत झटके के साथ हुई थी। कप्तान शुभमन गिल सिर्फ एक रन बना पाए। उन्हें ट्रेंट बोल्ट ने अपना शिकार बनाया। इसके बाद क्रीज पर आए कुसल मेंडिस हिट विकेट होकर पवेलियन लौट गए।

रिकॉर्ड के साथ गुलवीर ने जीता दूसरा स्वर्ण, पूजा ने ऊंची कूद में लहराया परचम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर ने 13:24.77 सेकेंड का समय लिया और स्वर्ण जीता। उन्होंने थाईलैंड के कीरेन तुंटिवेट को पछाड़ा जिन्होंने 13:24.97 सेकेंड का समय लिया, जबकि जापान के नागिया मोरी 13:25.06 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे। भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीत लिया है। उन्होंने पुरुष 5000 मीटर फाइनल में एक दशक पुराना टूर्नामेंट का रिकॉर्ड तोड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत को पूजा ने ऊंची कूद में स्वर्ण पदक के साथ बड़ी सफलता दिलाई। इस 18 साल की खिलाड़ी ने अपने अंतिम से पहले प्रयास में 1.89 मीटर की छलांग के साथ उज्बेकिस्तान की सफीना सादुल्लाएवा (1.86 मीटर) को पछाड़ा। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर ने 13:24.77 सेकेंड का समय लिया और स्वर्ण जीता। उन्होंने थाईलैंड के कीरेन तुंटिवेट को पछाड़ा जिन्होंने 13:24.97 सेकेंड का समय लिया, जबकि जापान के नागिया मोरी 13:25.06 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस टूर्नामेंट में इस स्पर्धा का पिछला रिकॉर्ड कतर के मोहम्मद अल गार्नी के नाम था जिन्होंने 2015 सीजन में 13:34.47 सेकेंड का समय लिया था। गुलवीर के लिए यह जीत दोहरी खुशी जैसी है क्योंकि उन्होंने इस टूर्नामेंट के शुरुआती दिन 10000 मीटर में भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। गुलवीर ने 10000 मीटर में 28:38.63 सेकेंड का समय लिया था। गुलवीर इस प्रदर्शन के दम पर उन भारतीय एथलीटों की एलीट सूची में शामिल हो गया है जिन्होंने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुष 5000 मीटर वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। उनसे पहले गोपाल सैनी (1981), बहादुर प्रसाद (1993) और जी. लक्ष्मण (2017) ऐसा कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश से आने वाले 26 वर्षीय गुलवीर ने 2023 सीजन में कांस्य पदक जीता था। महिला 3000 मीटर स्टीपलचेज में हालांकि, निराशा हाथ लगी और गत चैंपियन पारुल चौधरी अपने स्वर्ण पदक का बचाव नहीं कर सकीं। पारुल ने 9:12.46 सेकेंड का समय लिया और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पारुल को कजाखस्तान की नोरा जेरुतु तानुई ने हराया जिन्होंने 9:10.46 सेकेंड का समय लिया। कजाखस्तान की डेजी जेपकेमेई ने 9:27.51 सेकेंड के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में अब भारत के पदकों की संख्या 17 (सात स्वर्ण, सात रजत और तीन कांस्य) हो गई है।

पहला महिला अंडर-19 टूर्नामेंट 5 जून से, एचपीसीए ने जारी किया शेड्यूल, चंडीगढ़ में होंगे मुकाबले

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। अंडर-19 वनडे टूर्नामेंट सीनियर महिला क्रिकेट टूर्नामेंट की तरह हिमाचल के बाहर चंडीगढ़ में करवाया जाएगा।हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ओर से प्रदेश में पहली बार पांच मई से अंतर जिला महिला अंडर-19 वनडे क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू किया जाएगा। इसके लिए एचपीसीए की ओर से तैयारियां शुरू कर दी हैं। अंडर-19 वनडे टूर्नामेंट सीनियर महिला क्रिकेट टूर्नामेंट की तरह हिमाचल के बाहर चंडीगढ़ में करवाया जाएगा। पांच जून को शुरू होने वाले महिला अंडर-19 टूर्नामेंट में एचपीसीए की ओर 12 जिलों टीमों के दो पूल बनाए गए हैं।पूल-ए में शिमला, कुल्लू, मंडी, चंबा, सिरमौर और लाहौल-स्पिति हैं। पूल बी में कांगड़ा, सोलन, बिलासपुर, ऊना, हमीरपुर और किन्नौर में लीग मुकाबले खेले जाएंगे। हर पूल में टॉप दो स्थानों पर रहने वाली टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। प्रतियोगिता में पूल-ए की टीमों के लीग मुकाबले पांच से 15 जून तक खेले जाएंगे। पूल बी के मुकाबले 15 से 26 जून तक होंगे। यह मैच चंडीगढ़ के सीआईओसी और महाजन ग्राउंड में होंगे। सेमीफाइनल मुकाबले 27 जून को खेले जाएंगे। जिस जिला टीम में खिलाड़ियों की कमी रही, उसमें दूसरे जिले की महिला खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने कहा कि पांच जून से पहले महिला अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट की शुरुआत हो रही है। यह टूर्नामेंट पांच जून से 29 जून तक चलेगा। टूर्नामेंट के सभी लीग और सेमीफाइनल मुकाबले चंडीगढ़ के मैदानों में खेले जाएंगे। जल्द ही फाइनल की तिथि जारी कर दी जाएगी।

सात्विक-चिराग ने विश्व की नंबर एक जोड़ी को हराया, सिंगापुर ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। सात्विक-चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 39 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मलयेशियाई जोड़ी को 21-17, 21-15 से हराया। यह इस भारतीय जोड़ी का इस सीजन तीसरा सेमीफाइनल है। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए विश्व की नंबर एक मलयेशियाई जोड़ी गोह जि फेई और नूर इजुद्दीन को हराकर सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सात्विक-चिराग की जोड़ी इस सीजन अपने पहले खिताब की तलाश में उतरी है। सात्विक-चिराग की जोड़ी मार्च में ऑल इंग्लैंड

बैडमिंटन में खेलने के बाद से पहली बार किसी टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही है। सात्विक-चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 39 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मलयेशियाई जोड़ी को 21-17, 21-15 से हराया। यह इस भारतीय जोड़ी का इस सीजन तीसरा सेमीफाइनल है। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए विश्व की नंबर एक मलयेशियाई जोड़ी गोह जि फेई और नूर इजुद्दीन को हराकर सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में भी पहुंचने में सफल रही थी। मालूम हो कि सात्विक-चिराग की जोड़ी का सफर ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में चिराग की चोट के कारण समाप्त हो गया था। उस वक्त इस जोड़ी को दूसरे दौर में हटना पड़ा था।सात्विक-चिराग की जोड़ी का सामना अब तीसरी वरीयता प्राप्त मलयेशिया की आरोन चिया और सोह वूई यिक से होगा। चिराग ने कहा, हां यह काफी बड़ी जीत है क्योंकि फिलहाल हम 27वें नबर पर हैं। पिछले साल जब हम सिंगापुर में खेले थे तो हम विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर थे।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से परेशान रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

भांबरी और गेलोवे की जोड़ी का शानदार प्रदर्शन जारी, फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में पहुंचे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। अब भांबरी और गेलोवे का सामना नौवीं वरीयता प्राप्त अमेरिका के क्रिस्टियन हैरीसन और इवान किंग से होगा। युकी भांबरी और रॉबर्ट गेलोवे की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गई है। भारत के युकी और अमेरिका के उनके जोड़ीदार गेलोवे ने करीब ढाई घंटे तक चले दूसरे दौर के मुकाबले में क्रोएशिया के निकोला मेकटिच और अमेरिका के माइकल वीनस की जोड़ी को 6-7, 7-6, 6-3 से हराया।अब भांबरी और गेलोवे का सामना नौवीं वरीयता प्राप्त अमेरिका के क्रिस्टियन हैरीसन और इवान किंग से होगा। भांबरी और गेलोवे ने पहले दौर में रॉबिन हासे और हेंड्रिक जेबेंस को 6-3, 6-7, 6-3 से मात दी थी।

मुक्केबाज किरण और दीपक थाईलैंड ओपन के फाइनल में पहुंचे, प्रिया को कांस्य से करना पड़ा संतोष

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। महिलाओं के 75 किलो भारवर्ग में ने किरण ने यूक्रेन की पोलिना चेर्नन को 5-0 से हराया। पुरुष वर्ग के 75 भारवर्ग में दीपक ने थाईलैंड के पीरपट यिसू के जजों के सर्वसम्मत निर्णय से 5-0 से पराजित किया। भारतीय भारत ने प्रतियोगिता में 19 सदस्यीय दल उतारा है। महिलाओं के सेमीफाइनल में प्रिया (57 किग्रा) और सनेह (70 किग्रा) अपने मुकाबलों में संघर्ष करने के बाद प्रतियोगिता से बाहर हो गईं, तथा उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

सम्पादकीय

पाकिस्तान की हरकतों पर हैरान क्यों नहीं अमेरिका

पहलगाम में भीषण आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए उसके नौ प्रमुख आतंकी अड्डों को निशाना बनाने और फिर उसके कई एयरबेस ध्वस्त करने की जो कार्रवाई आपरेशन सिंदूर के तहत की, वह अत्यंत साहसिक और पाकिस्तानी सेना के छक्के छुड़ा देने वाली रही। भारतीय सेना को छह-सात मई की रात पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को नष्ट करने के बाद उसके प्रमुख एयरबेस इसलिए नष्ट करने पड़े, क्योंकि उसने अपने यहां के आतंकी अड्डों को निशाना बनाए जाने से चिढ़कर भारत पर मिसाइल और ड्रोन दागने शुरू कर दिए थे। चूंकि भारतीय सेना की अभूतपूर्व जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान बुरी तरह पस्त पड़ गया, इसलिए उसने सैन्य कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई-भारत से भी और अमेरिका से भी। भारत आपरेशन सिंदूर इस शर्त पर स्थगित करने को तैयार हुआ कि इसके बारे में पाकिस्तानी सेना को भारतीय सेना से सीधे बात करनी होगी। मजबूरी में उसने ऐसा ही किया।भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव रुक जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह श्रेय लेने में देर नहीं लगाई कि उनके हस्तक्षेप के कारण दोनों देश हमले रोकने को राजी हुए। उन्होंने इसे संघर्ष विराम की संज्ञा देते हुए कहा कि मैंने व्यापार का हवाला देकर दोनों देशों की लड़ाई रोकी। इस पर भारत ने साफ कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति से व्यापार को लेकर कोई बात नहीं हुई। ट्रंप का दावा उस समय थोथा भी साबित हो गया, जब अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने उनकी इस दलील को ठुकरा दिया कि उन्होंने ट्रेड की बात करके ही भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव थामा। न्यूयार्क स्थित इस संघीय अदालत ने उनकी टैरिफ नीति को भी अवैध बता दिया। इससे सिद्ध हो गया कि ट्रंप जो कुछ कह रहे, वह सही नहीं।भारत ने यह साफ करने में भी संकोच नहीं किया कि पाकिस्तान से केवल उसके कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर की वापसी और आतंकवाद के मुद्दे पर ही कोई बात हो सकती है और वह भी तब, जब वह उन आतंकियों को उसे सौंपेगा, जिनकी सूची उसे दी जा चुकी है। भारत ट्रंप की इस बात को भी कोई महत्व देने को तैयार नहीं कि दोनों देशों को व्यापार को प्राथमिकता देनी चाहिए। भारत के कड़े रुख से पाकिस्तान में घबराहट है। पिछले दिनों पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ यह मानने को मजबूर हुए कि भारत की सेना ने उसे इतना बेबस कर दिया कि वह कोई जवाबी कार्रवाई नहीं कर सका।यह स्पष्ट है कि इसके बाद भी आपरेशन सिंदूर पर कई देशों की प्रतिक्रिया अपेक्षित नहीं रही और सबसे चकित कर देने वाली प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति की रही। इससे भारत इस नतीजे पर पहुंच रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति व्यापार और आतंकवाद को जोड़ने का विचित्र काम करने के साथ पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को देखने के लिए तैयार नहीं। आखिर अमेरिका भारत और पाकिस्तान को एक पलड़े में कैसे रख रहा है और भी तब, जब ट्रंप पाकिस्तान के आतंकी चेहरे से परिचित रहे हैं? भारत इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकता कि सैन्य टकराव के बीच पाकिस्तान को अमेरिकी और अन्य पश्चिमी देशों की नरमी के कारण ही आइएमएफ से कर्ज मिला।निःसंदेह पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति खराब है, पर उसे कोई मदद तब दी जानी चाहिए, जब वह उन शर्तों को पूरा करे, जो उस पर उस समय लगाई गई थीं, जब वह एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में था। यह किसी से छिपा नहीं कि उसने इस लिस्ट से बाहर आने के लिए दिखावे के लिए कुछ आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई की और जैसे ही इस लिस्ट से बाहर आया, आतंकियों को पालने और उन्हें भारत में हमले करने के लिए उकसाने लगा। पहलगाम में आतंकी हमला इसका ही नतीजा है।अमेरिका और अन्य पश्चिमी देश इससे अनजान नहीं कि पाकिस्तान विदेशी सहायता का इस्तेमाल अपनी आर्थिक बदहाली दूर करने पर नहीं, हथियार खरीदने और आतंकी ढांचे को तैयार करने में करता है। वह भारत के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी भी देता रहता है। ऐसे में विश्व समुदाय और विशेष रूप से अमेरिका को तो यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पाकिस्तान अपने आतंकी ढांचे को नष्ट करे और वहां की सरकार सेना के नियंत्रण से मुक्त हो। विश्व समुदाय और खासकर अमेरिका के लिए यह सच्चाई तो आंखें खोलने और परेशान करने वाली होनी चाहिए कि पाकिस्तानी सेना का अपनी सरकार पर नियंत्रण है, न कि सरकार का सेना पर। अमेरिका इसकी भी अनदेखी कर रहा है कि पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर ने खुद को फील्ड मार्शल बना लिया है।

19वीं सदी से लेकर डिजिटल युग तक

नौकरशाही, सरकार और आम जनता भी अक्सर हिंदी पत्रकारिता को कम महत्व देती है। इसके बावजूद, डिजिटल क्रांति और हिंदी भाषी आबादी की विशालता इसे अपार संभावनाएँ प्रदान करती है। आइए, हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियों, कमजोरियों और संभावनाओं पर नजर डालें। हिंदी पत्रकारिता भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिदृश्य का एक अभिन्न हिस्सा रही है। यह सूचना का माध्यम होने के साथ-साथ लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने और जनमत को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। 19वीं सदी से लेकर आज के डिजिटल युग तक, हिंदी पत्रकारिता ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। लेकिन इसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिनमें अंग्रेजी पत्रकारिता की त??ना में इसे कमतर माने जाने की धारणा प्रमुख है।नौकरशाही, सरकार और आम जनता भी अक्सर हिंदी पत्रकारिता को कम महत्व देती है। इसके बावजूद, डिजिटल क्रांति और हिंदी भाषी आबादी की विशालता इसे अपार संभावनाएँ प्रदान करती है। आइए, हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियों, कमजोरियों और संभावनाओं पर नजर डालें।हिंदी पत्रकारिता का इतिहास हिंदी पत्रकारिता की शुरुआत 1826 में कोलकाता से पं. जुगल किशोर शुक्ल द्वारा प्रकाशित ठउदंत मार्तंडठ के साथ हुई। शुरुआती दौर में अंग्रेजी भाषा के प्रभुत्व और संसाधनों की कमी ने इसके विकास में बाधा डाली। 19वीं सदी के उत्तरार्ध में ठबनारस अखबारठ, ठसरस्वतीठ और ठहरीशचंद्र पत्रिकाठ जैसे समाचार पत्रों ने हिंदी पत्रकारिता को गति दी।स्वतंत्रता संग्राम में ठप्रतापठ और ठवीर भारतठ जैसे समाचार पत्रों ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ जनमत तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्वतंत्रता के बाद ठदैनिक जागरणठ, ठअमर उजालाठ और ठदैनिक भास्करठ जैसे समाचार पत्र हिंदी भाषी क्षेत्रों में लोकप्रिय हुए।डिजिटल युग में ऑनलाइन समाचार पोर्टल्स और डिजिटल संस्करणों ने हिंदी

पत्रकारिता की पहुँच को भारत और विदेशों में बसे हिंदी भाषी समुदायों तक बढ़ाया। आज यह समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, टेलीविजन चैनलों और ऑनलाइन मंचों के माध्यम से राजनीति, समाज, संस्कृति, खेल और मनोरंजन जैसे विविध विषयों को कवर करती है।हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियाँ हिंदी पत्रकारिता को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़ी चुनौती है अंग्रेजी पत्रकारिता की तुलना में इसे कमतर माने जाने की धारणा। नौकरशाही और सरकार अंग्रेजी पत्रकारिता को अधिक गंभीरता और पेशेवरता के साथ देखते हैं, क्योंकि इसे वैश्विक और कुलीन वर्ग से जोड़ा जाता है। आम जनता भी अंग्रेजी समाचार पत्रों और चैनलों को अधिक विश्वसनीय मानती है, भले ही हिंदी भारत की राष्ट्रीय भाषा हो।इसके अलावा, 24/7 समाचार चक्र और प्रतिस्पर्धा के दबाव में सटीकता, निष्पक्षता और वस्तुनिष्ठता बनाए रखना मुश्किल है। राजनीतिक दबाव भी एक बड़ी समस्या है, क्योंकि कुछ मीडिया संस्थान राजनीतिक दलों या हितों के प्रभाव में आ जाते हैं, जिससे संपादकीय स्वतंत्रता प्रभावित होती है। डिजिटल मंचों की ओर बदलाव और प्रिंट विज्ञापन जैसे पारंपरिक राजस्व स्रोतों में कमी ने आर्थिक चुनौतियां पैदा की हैं।सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं का प्रसार भी एक गंभीर समस्या है। हिंदी भाषी आबादी में भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के कारण विभिन्न बोलियों और शिक्षा स्तरों वाले समुदायों तक पहुँचना चुनौतीपूर्ण है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच डिजिटल विभाजन और अनैतिक या सनसनीखेज रिपोर्टिंग से विश्वसनीयता का संकट और गहराता है हिंदी पत्रकारिता की कमजोरियाँ हिंदी पत्रकारिता की कुछ कमजोरियाँ इसके विकास में बाधा डालती हैं। सनसनीखेज पत्रकारिता एक प्रमुख समस्या है, जहाँ सूचनात्मक सामग्री के बजाय मनोरंजन पर ध्यान दिया जाता है। गहन खोजी पत्रकारिता की कमी भी देखी जाती है, जो संसाधनों की कमी, अपर्याप्त प्रशिक्षण या प्रतिशोध के डर के कारण है। राजनीतिक पक्षपात के कारण कवरेज में विविध दृष्टिकोणों की कमी रहती है। तेजी से समाचार प्रकाशित करने की होड़ में तथ्य-जाँच को अक्सर नजरअंदाज किया जाता है, जिससे गलत सूचनाएँ फैलती हैं। हिंदी पत्रकारिता का दायरा कभी-कभी क्षेत्रीय या राष्ट्रीय मुद्दों तक सीमित रहता है, जिससे वैश्विक घटनाओं की अनदेखी होती है। हिंदी की विभिन्न बोलियों और अन्य भाषाओं को बोलने वाले समुदायों तक पहुँचने में भाषा एक बाधा बनती है। अंग्रेजी मीडिया की तुलना में नई तकनीकों को अपनाने में देरी भी एक कमजोरी है। सबसे महत्वपूर्ण, अंग्रेजी पत्रकारिता की तुलना में हिंदी पत्रकारिता को कमतर माने जाने की धारणा इसके आत्मविश्वास और प्रभाव को कमजोर करती है।हिंदी पत्रकारिता की संभावनाएँ इन चुनौतियों और कमजोरियों के बावजूद, हिंदी पत्रकारिता में अपार संभावनाएँ हैं। भारत की विशाल हिंदी भाषी आबादी इसे एक व्यापक दर्शक वर्ग प्रदान करती है। डिजिटल मंचों ने हिंदी पत्रकारिता को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने का अवसर दिया है। डिजिटल तकनीकों को अपनाकर, जैसे ऑनलाइन न्यूज़ पोर्टल्स, मोबाइल ऐप्स और सोशल मीडिया मंच, हिंदी पत्रकारिता अपनी पहुंच और प्रभाव बढ़ा सकती है।पत्रकारों के लिए प्रशिक्षण और कार्यशालाएँ खोजी पत्रकारिता, तथ्य-जाँच और नैतिक पत्रकारिता को बढ़ावा दे सकती हैं। पत्रकारों, मीडिया संगठनों, नीति निर्माताओं और नागरिक समाज के बीच सहयोग से पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा मिल सकता है।हिंदी की विभिन्न बोलियों और स्थानीय भाषाओं को शामिल करके पत्रकारिता को अधिक समावेशी बनाया जा सकता है। वैश्विक मुद्दों और दृष्टिकोणों को शामिल करके दर्शकों की समझ और जागरूकता बढ़ाई जा सकती है। हिंदी पत्रकारिता को कमतर माने जाने की धारणा को बदलने के लिए गुणवत्तापूर्ण और निष्पक्ष पत्रकारिता पर ध्यान देना होगा। पेशेवरता और विश्वसनीयता को बढ़ावा देकर यह नौकरशाही, सरकार और आम जनता के बीच अपनी साख मजबूत कर सकती है।हिंदी पत्रकारिता भारत के लोकतांत्रिक ढांचे और सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अंग्रेजी पत्रकारिता की तुलना में इसे कमतर माने जाने की धारणा, राजनीतिक दबाव, आर्थिक अस्थिरता और सनसनीखेज पत्रकारिता इसके विकास में बाधा डालती हैं।फिर भी, डिजिटल क्रांति और हिंदी भाषी आबादी की विशालता इसे अपार संभावनाएँ प्रदान करती है। डिजिटल नवाचार, पत्रकारीय प्रशिक्षण, नैतिकता और समावेशी दृष्टिकोण को अपनाकर हिंदी पत्रकारिता अपनी विश्वसनीयता को पुनर्जनन कर सकती है और एक सशक्त, जागरूक समाज के निर्माण में योगदान दे सकती है।

जल संकट के समाधान का इस्राइली फॉर्मूला दुनिया को राह दिखाते हैं इस पश्चिमी एशियाई देश के प्रयोग

इस्राइल ने 1948 में स्वतंत्रता की घोषणा की। 1950 के दशक में 130 किलोमीटर लंबी जल परियोजना शुरू कर जल संकट से निपटने का कारगर उपाय किया। भारत के पास 11,098.81 वर्ग किमी लंबी तटरेखा है। ऐसे में इस्राइल की खारे समुद्री पानी के विलवणीकरण की तकनीक को?अपनाकर भारत भी जल संकट पर नियंत्रण पा सकता है। इसके लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे।इस्राइल की गिनती कभी सर्वाधिक जल तनाव वाले देशों में होती थी, लेकिन प्रभावी जल प्रबंधन और उन्नत तकनीक के बल पर वह अपने नागरिकों को पर्याप्त, नियमित और सुरक्षित जल उपलब्ध कराने में न सिर्फ कामयाब हुआ है, बल्कि इस मामले में पथ-प्रदर्शक भी बन चुका है। दुनिया इस्राइल के अनुभवों से बहुत कुछ सीख सकती है।इस्राइल ने 1948 में स्वतंत्रता की घोषणा तो कर दी, लेकिन उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती जल संकट की थी। आधे से अधिक भू-भाग पर फैले रेगिस्तान, तेजी से बढ़ती जनसंख्या और जलवायु संकट के बीच जल संकट से निपटने के लिए उसने ऐसे कई प्रयोग किए, जो आगे चलकर दुनिया के लिए उदाहरण भी बने। इस्राइल ने 1950 के दशक में 130 किलोमीटर लंबी जल परियोजना 'नेशनल वाटर कैरियर' शुरू की, जिसके जरिये वह देश के उत्तर से मध्य और शुष्क दक्षिणी क्षेत्रों तक पानी पहुंचाने में सफल रहा। इससे न सिर्फ सूखे क्षेत्रों की पानी की आवश्यकता पूरी हुई, बल्कि कृषि और जनजीवन में भी सुधार आया।इसके एक दशक बाद इस्राइल ने कृषि क्षेत्र में पानी की मांग को पूरा करने और बर्बादी नियंत्रित करने के लिए ड्रिप सिंचाई तकनीक ईजाद की, जिसने दुनिया को कम पानी में अधिक पैदावार की राह दिखाई। साथ ही, इस्राइल ने अपशिष्ट जल के उपचार पर भी ध्यान दिया।आज इस्राइल की अपशिष्ट जल उपयोग दर दुनिया में सबसे अधिक है। वह कृषि के लिए लगभग 90 प्रतिशत अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण करने में भी सफल रहा है। इस्राइल का सबसे बड़ा अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र शफदान में स्थापित है। 1985 में इस्राइल ने अपने 'राष्ट्रीय जल वाहक' के माध्यम से उपचारित अपशिष्ट जल को खेतों तक भेजना शुरू कर दिया।जल प्रबंधन की सतत रणनीति के तहत 1999 में खारे समुद्री पानी को विलवणीकरण करने का निर्णय लिया गया।

गढ़ी हुई छवियों से मुक्त हों स्त्री-पुरुष

हाल में उच्चतम न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया। यह कुछ वर्ष पहले की एक मार्ग दुर्घटना से संबंधित है। एक महिला पति और दो बच्चों के साथ बाइक पर जा रही थी। रास्ते में बाइक दुर्घटनाग्र्सत हो गई। पत्नी बुरी तरह से घायल हो गई। उसे अस्पताल ले जाया गया। वहां दो दिन बाद उसकी मृत्यु हो गई। पति ने मोटर एक्सीडेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल में मुआवजे की मांग की। इसके अंतर्गत दुर्घटना के तीन साल के भीतर क्लेम डालना पड़ता है, प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करानी पड़ती है और ट्रिब्यूनल के सामने सारे कागजात पेश करने पड़ते हैं।बाइक चलाने वाले व्यक्ति ने इसी आधार पर क्लेम मांगा, लेकिन ट्रिब्यूनल ने कहा कि चूंकि वह 40 वर्ष का सक्षम पुरुष है, इसलिए मुआवजे का हकदार नहीं। हां, बच्चे जरूर इसके हकदार हैं। बीमा कंपनी ने भी इसी आधार पर मुआवजा देने का विरोध किया। तब यह मामला हाई कोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। इसी मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर पति की कमाई का कोई प्रमाण नहीं है। वह पत्नी पर ही आश्रित था तो बच्चों के साथ उसे भी आश्रित मानना पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में पति को 17 लाख 84 हजार रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट का उक्त निर्णय यही स्पष्ट करता है कि पति को भी पत्नी पर आश्रित माना जा सकता है।हमारे यहां अभी तक यही माना जाता है कि पति तो कभी पत्नी पर आश्रित हो ही नहीं सकता। साफ है कि सुप्रीम कोर्ट का निर्णय समाज को भी एक संदेश है। विवाह और तलाक के मामलों में यह कानून पहले से है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और महिलाओं से जुड़े कानूनी मामलों के विशेषज्ञ अरविंद जैन इसे यह कहकर स्पष्ट करते हैं कि तलाक के मामलों में धारा 125 के अंतर्गत यदि पत्नी कमाऊ है और पति उस पर आश्रित है या फिर विकलांग है तो वह गुजारा भत्ता पाने का हकदार है, क्योंकि यह धारा जेंडर न्यूट्रल है।हालांकि, तलाक के मामलों कई बार ऐसा भी होता है।

नई चुनौतियों के बीच आखिर ट्रंप की दिशा अब क्या होगी

एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष सलाहकार पद से इस्तीफा दे दिया है। बजट नीतियों और टैरिफ पर मतभेद, साथ ही सरकारी कामकाज की जटिलताओं ने उनके इस फैसले में भूमिका निभाई। यह घटना ट्रंप प्रशासन और निजी क्षेत्र के बीच सामंजस्य की चुनौतियों को उजागर करती है, जिसके अमेरिकी और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दूरगामी असर हो सकते हैं। 29 मई की सुबह से ही दुनियाभर के मीडिया में एक खबर सुर्खियों में बनी हुई थी। खबर में कहा गया था कि टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष सलाहकार पद से इस्तीफे का ऐलान किया है। मस्क ने अपनी ही कंपनी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर यह बात साझा करते हुए लिखा-अमेरिका में 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान एलन मस्क की ट्रंप के साथ नजदीकियां बढ़ीं और मस्क ने खुलकर ट्रंप का साथ दिया। उन्होंने न सिर्फ ट्रंप के चुनाव अभियान में भाग लिया बल्कि उसमें 250 मिलियन डॉलर से ज़्यादा का सहयोग भी दिया। चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने मस्क को अपना विशेष सहयोगी बताते हुए उन्हें अपनी सरकार में एक खास भूमिका सौंपी। मस्क को का सह-प्रमुख बनाया गया। ३र्थ्ड को मुख्य रूप से अमेरिकी सरकार की कार्यप्रणाली को सरल बनाने और उसके खर्चों में भारी कटौती करने का काम सौंपा गया। हालांकि इस काम का शुरुआती लक्ष्य 2 खरब डॉलर की बचत करने का था लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अप्रैल 2025 तक केवल 160 अरब डॉलर की ही बचत हो पाई। कुछ रिपोर्ट्स तो यहां तक कहती हैं कि कटौती के उपायों पर ही इतना खर्च हो गया कि उसने कटौती से होने वाले फायदे को बेअसर कर दियामस्क के इस्तीफे की सबसे बड़ी वजह ट्रंप सरकार के नए खर्च योजना विधेयक यानी को माना जा रहा है। इसमें टैक्स में भारी कटौती और सैन्य बजट में बढ़ोतरी जैसे कदम शामिल थे। मस्क ने सार्वजनिक रूप से इस पर नाराजी जताते हुए कहा था कि यह बिल ३र्थ्ड की बचत योजनाओं को नुकसान पहुंचाएगा साथ ही बजट घाटे को और बढ़ाएगा। कॉरपोरेट दुनिया से आए मस्क ने सरकारी तंत्र को कॉरपोरेट अंदाज में सुधारने का बीड़ा उठाया था। उन्हें अपनी प्रशासनिक क्षमता पर बहुत भरोसा या यूं कहें कि मुगालता था। लेकिन बाद में उन्हें भी यह स्वीकार करना पड़ा था कि कॉरपोरेट जैसी दक्षता सरकार में लाना बहुत मुश्किल है, क्योंकि सरकारी सिस्टम में बहुत ज्यादा लालफीताशाही और जटिलताएं होती हैं। एलन मस्क के इस्तीफे के पीछे सिर्फ बजट नीतियों से असहमति ही नहीं थी, बल्कि टैरिफ (आयात शुल्क) जैसे मुद्दों पर गहरे मतभेद भी इसमें शामिल थे। मस्क शुरू से ही मुक्त व्यापार (ड्डाा ॐ) के समर्थक रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने जब सभी आयातों पर 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा, तो मस्क ने उनसे सीधे अपील की कि इस फैसले को वापस लिया जाए। उनका मत था कि यह नीति अमेरिका की अर्थव्यवस्था और विदेशों से रिश्तों को नुकसान पहुंचाएगी। इस विवाद ने उस समय कानूनी मोड़ ले लिया जब 28 मई 2025 को अमेरिका की कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने फैसला दिया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने लिबरेशन डे टैरिफ्स लगाकर अपने संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण किया है। इस फैसले में टैरिफ रद्द कर दिए गए और मस्क की सोच को न्यायिक समर्थन मिला। टैरिफ नीति की आलोचना पर मस्क को ट्रंप प्रशासन के भीतर भी विरोध का सामना करना पड़ा। ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने मस्क को 'कार असेंबलर' कह कर उनका मजाक उडाया तो। मस्क ने नवारो की काबिलियत पर सवाल उठाते हुए उन्हें ईंट की बोरी से भी गयाबीता मूर्ख कह डाला। यह बयानबाज़ी बताती है कि ट्रंप प्रशासन के भीतर कितने गहरे वैचारिक मतभेद चल रहे हैं। मस्क कॉरपोरेट की दुनिया में अपनी सफलता और असफलता दोनों के लिए जाने जाते हैं। उनकी निजी जीवन शैली से लेकर कॉरपोरेट में काम करने का उनका तरीका हमेशा चर्चाओं में रहा है। वे अजीबोगरीब और चौंकाने वाले फैसलों के लिए चर्चित रहते हैं। काफी हद तक यही हाल राष्ट्रपति ट्रंप का भी है। ऐसे में इस जोड़ी के लंबे समय तक साथ चल पाने पर पहले से ही संशय था। अब जब मस्क ने ट्रंप का सरकारी साथ छोड़ दिया है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस घटना का अमेरिका और अंतर्राष्ट्रीय जगत पर क्या असर पड़ेगा। अमेरिका के लिए एक असर तो यह संभावित है कि वहां सरकार की नीतियों में बदलाव को लेकर नई बहस खड़ी हो सकती है। ३र्थ्ड योजनाओं के स्वरूप पर पुनर्विचार के लिए ट्रंप प्रशासन पर दबाव बढ़ सकता है। चूंकि यह इस्तीफा सरकार के भीतर मतभेदों को भी उजागर करता है अतः भविष्य में इसका असर प्राइवेट सेक्टर और सरकार के रिश्तों पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असर की बात करें तो मस्क के जाने से अमेरिका में निवेश करने वालों को यह संदेश जा सकता है कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थसत्ता वाले इस देश की आर्थिक नीतियों में स्थिरता नहीं है। टेस्ला और स्पेस एक्स जैसी कंपनियों के चलते मस्क का कारोबार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर है। उनका इस्तीफा अमेरिका की नवाचार और विशिष्ट कार्यक्षमता वाली छवि को नुकसान पहुंचा सकता है। चूंकि मस्क ने संकेत दिया है कि अब वे राजनीति से दूरी बनाकर अपने कारोबारी उपक्रमों टेस्ला और स्पेस एक्स पर ध्यान देंगे, तो माना जा सकता है कि अब वे सरकारी पचडे से दूर ही रहना चाहेंगे। दरअसल, सरकारी भूमिका निभाने से मस्क की कंपनियों, खासकर टेस्ला पर नकारात्मक असर पड़ा है। टेस्ला का मुनाफा 71 प्रतिशत तक गिरा है। मस्क की व्यावसायिक और राजनीतिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन को लेकर उनके निवेशकों में भी चिंता होने लगी थी। मस्क और ट्रंप का व्यक्तिगत रिश्ता प्यार और टकराव वाला रहा है। 2024 के चुनाव में मस्क ट्रंप के बड़े समर्थक थे, लेकिन आर्थिक नीतियों और प्रशासनिक तौर-तरीकों पर मतभेद के चलते दोनों के रिश्ते में दूरियां भी बनीं। भविष्य में मस्क के ट्रंप प्रशासन से रिश्ते कैसे रहेंगे यह कहना अभी मुश्किल है। यह भी संभव है कि कारोबारी नीतियों आदि को लेकर आने वाले समय में उनका ट्रंप प्रशासन के साथ टकराव भी देखने को मिले। यदि टकराव बढ़ता है तो अपनी फितरत के चलते ट्रंप

भी चुप नहीं बैठेंगे और उनकी तरफ से होने वाली प्रतिक्रिया मामले को और जटिल ही बनाएगी। एलन मस्क का ट्रंप प्रशासन से इस्तीफा एक महत्वपूर्ण राजनीतिक, सामाजिक और कारोबारी घटना है। इसका असर कई स्तरों पर होगा, लेकिन इसे पूरी तरह से ट्रंप के लिए नकारात्मक मानना भी ठीक नहीं होगा। इसे व्यक्तित्व और विचारधारा के टकराव और कार्यशैली की विसंगति या विरोधाभास के रूप में देखा जा सकता है। मस्क जहां नवाचार, भविष्य की सोच, वैश्विक पूंजीवाद और तकनीक आधारित शासन के पक्षधर हैं वहीं ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में राष्ट्रवादी, संरक्षणवादी (प्रोटेक्शनिस्ट) और सख्त सरकार का चेहरा बनकर उभरे हैं। मध्यम वर्ग, स्वतंत्र मतदाता और वैश्विक अभिजात वर्ग के लिए मस्क का जाना ट्रंप की व्यापारिक समझदारी और भविष्य की सोच वाली छवि को चोट पहुंचाता है। जबकि ट्रंप समर्थक इस बात से संतुष्ट हो सकते हैं कि ट्रंप वैश्विक शक्तियों से लड़ रहे हैं और 'अरबपति अभिजात वर्ग' के दबाव में नहीं आ रहे। इस बात की संभावना कम ही है कि इस घटना के बाद ट्रंप अपनी नीतियों में कोई क्रांतिकारी बदलाव करें या अपने कदम पीछे खींचें। यहां यदि हम ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना करें तो एक बात दोनों में लगभग समान दिखाई देती है। दोनों ही नेता अपनी आलोचना के बाद पीछे हटने के बजाय और अधिक निर्णयात्मक और अपनी धारणाओं के प्रति और अधिक दृढ़ हो जाते हैं। कुल मिलाकर एलन मस्क के इस्तीफे का सार यह है कि ट्रंप सरकार और निजी क्षेत्र के दिग्गजों के बीच सामंजस्य आसान नहीं है। अब देखना होगा कि ट्रंप और मस्क दोनों ही भविष्य में अपने व्यवहार और कार्य से इस घटना को कौनसी दिशा देते हैं। एक दूसरे के प्रति नरमी बरतते हैं या सख्त रवैया अपनाते हैं। जाहिर है दोनों स्थितियों के परिणाम अलग-अलग और दूरगामी होंगे।

दिल्ली-एनसीआर और पंजाब समेत कई राज्यों में बारिश का अनुमान, आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इस साल समय से पहले पहुंचा मानसून तेजी से मध्य भारत सहित अन्य हिस्सों में आगे बढ़ रहा है। देश के कई हिस्सों में जोरदार बारिश देखने को मिल रही है। कई पहाड़ी राज्यों में भी बारिश हो रही है। दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में भी तेज हवाओं और हल्की बारिश की वजह से हीटवेव से राहत मिली है। आज के मौसम की बात करें तो दिल्ली एनसीआर में आज बादल छाए रहने की संभावना है। तेज हवाओं के साथ बारिश होने की आशंका भी जताई गई है। मौसम विभाग ने आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणाआ में 50 से 60 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और गाजियाबाद में मौसम विभाग ने आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इन दोनों शहरों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है। 1 जून तक इन राज्यों में बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक 31 मई को भी

यूपी के लगभग 50 जिलों में बारिश हो सकती है। 31 मई और 1 जून को बादल छाए रहेंगे। कई जगहों पर 45 से 55 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है।बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ में भी मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवाओं की वजह से तापमान में कमी दर्ज की जाएगी। मौसम विभाग ने पूर्वोत्तर भारत में अगले दो दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश जारी रहने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। गुजरात, मराठवाड़ा और गोवा में भी मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने केरल में भारी बारिश का अनुमान लगाया है। मौसम विभाग ने कहा कि दरअसल बांग्लादेश के ऊपर जो दबाव का क्षेत्र है, उसके उत्तर-उत्तरपूर्व की ओर बढ़ने और अगले 12 घंटों के दौरान एक निम्न दबाव क्षेत्र में कमजोर पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने यह भी कहा कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण अगले 4-5 दिनों तक उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश, गरज के साथ छींटे और तेज हवाएं चलने की संभावना है। इसके अलावा केरल, तटीय कर्नाटक और तमिलनाडु के घाट क्षेत्रों में भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि 31 मई से वर्षा कम हो जाएगी। हीं, पूर्वोत्तर भारत में अगले एक सप्ताह के दौरान व्यापक स्तर पर हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश जारी रहने की संभावना है। 1 जून तक उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी वर्षा होने के आसार हैं। अगले सात दिनों के दौरान असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी भारी बारिश का अनुमान है। इसके अतिरिक्त, 30 मई को मेघालय में अलग-अलग जगहों पर असाधारण रूप से भारी वर्षा हो सकती है। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में 30 मई से 1 जून तक केरल और माहे, कर्नाटक में हल्की, मध्यम वर्षा का अनुमान है।त्रिपुरा में शुक्रवार को रुक-रुक बारिश हुई, जिसके कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने राज्य में अगले 24 घंटों में भारी से बहुत भारी बारिश 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान व्यक्त किया है। बृहस्पतिवार को राज्य के तीन जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी हुआ था और खराब मौसम के कारण दो उड़ानेंरद्द करनी पड़ी थी, हालांकि शुक्रवार को उड़ानें सामान्य रहीं।पहाड़ी राज्य मिजोरम के आईजोल में बुधवार से रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन सभी स्कूल बंद रहे। आईजोल के उपायुक्त और जिला आपदा प्रबंधन विभाग ने कहा कि शुक्रवार को कई घंटों से हो रही भारी बारिश के कारण सभी स्कूलों को बंद रखने का निर्देश दिया गया है।

यूरो 6-डी मानक भी रोक नहीं पा रहा कारों का जहरीला प्रदूषण, फेफड़ों को पहुंच रहा बड़ा नुकसान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अध्ययन में सामने आया है कि इन कारों से फिल्टर होकर निकलने वाला धुआं वातावरण में पहुंचते ही सूरज की रोशनी और वायुमंडल के संपर्क में आकर बेहद जहरीला हो जाता है, इतना कि वह डीएनए को नुकसान पहुंचाने और कोशिकाओं में तनाव पैदा करने लगता है। यानी जो धुआं लैब में कम प्रदूषक दिखता है वही असल दुनिया में स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन जाता है। अध्ययन में सामने आया है कि इन कारों से फिल्टर होकर निकलने वाला धुआं वातावरण में पहुंचते ही सूरज की रोशनी और वायुमंडल के संपर्क में आकर बेहद जहरीला हो जाता है, इतना कि वह डीएनए को नुकसान पहुंचाने और कोशिकाओं में तनाव पैदा करने लगता है। यानी जो धुआं लैब में कम प्रदूषक दिखता है वही असल दुनिया में स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन जाता है। जर्मनी के हेल्महोल्ट्ज म्यूनिख और रोस्टॉक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अध्ययन में पाया कि भले ही इन कारों में गैसोलीन पार्टिकुलेट फिल्टर (जीपीएफ) लगे हों, जो प्रारंभिक कणों को प्रभावी ढंग से रोकते हैं, लेकिन वातावरण में पहुंचते ही ये अत्यधिक विषाक्त हो जाते हैं। जांच के दौरान एक बार जब निकलने वाला उत्सर्जन फोटोकैमिकल एजिंग से गुजारा गया तब वह सूरज की रोशनी और वायुमंडलीय ऑक्सीडेंट द्वारा

संचालित एक प्राकृतिक बदलाव प्रक्रिया में बहुत ज्यादा जहरीला हो गया। यूरो छह-डी मानक यूरोपीय संघ द्वारा निर्धारित सबसे कड़े वाहन उत्सर्जन मानकों में से एक है, जो पेट्रोल और डीजल वाहनों से निकलने वाले हानिकारक तत्वों को सीमित करता है।वर्तमान यूरो छह-डी मानक केवल टेलपाइप से निकलते ही उत्सर्जन की जांच करते हैं, जबकि असली चुनौती तब शुरू होती है जब ये गैसें वातावरण में प्रवेश करके रासायनिक रूप से बदलती हैं। अध्ययन के अनुसार इन परिवर्तित उत्सर्जनों ने इंसानी फेफड़ों की कोशिकाओं चाहे वे सामान्य हों या कैंसरग्रस्त, दोनों पर डीएनए को नुकसान पहुंचाने और ऑक्सीडेटिव तनाव बढ़ाने का प्रमाण दिया है। यह विषाक्तता सिर्फ नैनो कणों (जैसे द्वितीयक ऑर्गेनिक और इनऑर्गेनिक एरोसोल यानी एसओए और एस आईए) तक सीमित नहीं रही, बल्कि कार्बोनिल जैसे ऑक्सीजन युक्त वाष्पशील यौगिकों में भी पाई गई, जो वायुमंडल में समय के साथ बनते हैं।शोधकर्ताओं ने जोर देकर कहा है कि वायु गुणवत्ता मानकों को फिर से परिभाषित करने की जरूरत है ताकि प्राथमिक (सीधे उत्सर्जन) और द्वितीयक (वायुमंडलीय रसायनों से बनने वाले) दोनों प्रकार के प्रदूषकों को शामिल किया जा सके।

हिमंत सरकार का हथियार लाइसेंस वाला फैसला असम की शांति के लिए खतरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। असम सरकार के हथियार लाइसेंस देने के फैसले की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह शासन की कड़ी मेहनत से हासिल की गई शांति खतरे में आ जाएगी। उन्होंने जल्द से जल्द इस फैसले को रद्द करने के लिए केंद्र के हस्तक्षेप की मांग की है। असम

नहीं, बल्कि अराजकता और जंगल राज की ओर एक खतरनाक कदम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को तुरंत इस फैसले को वापस लेना चाहिए।हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व वाली असम सरकार ने स्थानीय लोगों को भी हथियार लाइसेंस देने का फैसला किया है। सरकार के इस फैसले को लेकर राज्य में सियासी बयानबाजी शुरू हो गई है। असम कांग्रेस प्रमुख गौरव गोगोई समेत विपक्षी दलों ने इसकी निंदा की है। विपक्ष का कहना है कि यह लोगों को ध्रुवीकृत करने वाला कदम है। इससे राज्य सरकार ने बुधवार को 'कमजोर और दूरदराज' क्षेत्रों में रहने वाले असमिया लोगों के लिए हथियार लाइसेंस देने की घोषणा की थी। सीएम सरमा ने इस बाबत कहा था कि कमजोर और दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की मांग की समीक्षा के बाद राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में हथियार लाइसेंस देने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा था कि असम एक बहुत ही अलग और संवेदनशील राज्य है। कुछ क्षेत्रों में रहने वाले असमिया लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और वे लंबे समय से हथियार लाइसेंस की मांग कर रहे हैं।

मासूम जिंदगियों पर कहर बनकर टूट रहे तूफान, निम्न और मध्यम आय वाले देश सबसे अधिक प्रभावित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। शोध के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कारण

उष्णकटिबंधीय तूफानों की आवृत्ति और तीव्रता लगातार बढ़ रही है। इन तूफानों का असर सबसे अधिक निम्न और मध्यम आय वाले देशों में देखने को मिल रहा है, जहां आपदा से निपटने की तैयारियां सीमित हैं। उष्णकटिबंधीय तूफान गरीब देशों में नवजात और शिशुओं की मृत्यु दर में खतरनाक रूप से वृद्धि कर रहे हैं। यह चिंता का विषय इसलिए भी है क्योंकि यह असर उन देशों में अधिक दिखाई दे रहा है जहां पहले से ही स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति कमजोर है और संसाधन सीमित हैं।वैज्ञानिक पत्रिका साइंस एडवांसेज में प्रकाशित इस शोध के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कारण उष्णकटिबंधीय तूफानों की आवृत्ति और तीव्रता लगातार बढ़ रही है। इन तूफानों का असर सबसे अधिक निम्न और मध्यम आय वाले देशों में देखने को मिल रहा है, जहां आपदा से निपटने की तैयारियां सीमित हैं। यूएससी डॉर्नसाइफ कॉलेज ऑफ लेटर्स, आर्ट्स एंड साइंसेज के वरिष्ठ अर्थशास्त्री और इस अध्ययन के प्रमुख लेखक डॉ. जेचरी वैगनर ने बताया कि तूफानों से प्रभावित बच्चों की मृत्यु दर सामान्य से 11 प्रतिशत ज्यादा देखी गई। यह आंकड़ा 1,000 जीवित जन्मों पर 4.4 अधिक मौतों के बराबर है। यह वृद्धि केवल उच्च तीव्रता वाले तूफानों तक सीमित नहीं है, बल्कि कम तीव्रता वाले तूफानों से भी बच्चों की जान को उतना ही खतरा है।अक्सर यह माना जाता है कि प्राकृतिक आपदाओं के बाद बच्चों की मृत्यु दर में वृद्धि का मुख्य कारण गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाओं और पोषण की कमी होती है। लेकिन इस शोध में यह स्पष्ट किया गया है कि मृत्यु दर में वृद्धि के पीछे कुछ अन्य कारण भी हैं, जिनकी स्पष्ट जानकारी अभी तक नहीं मिल पाई है। यह दर्शाता है कि तूफानों के प्रभाव से निपटने के लिए हमारी समझ और तैयारी दोनों ही अधूरी हैं। यह तथ्य आने वाले समय में और गहराई से अध्ययन की मांग करता है।एक अन्य शोध के अनुसार 5 वर्ष से कम आयु के बच्चे तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं के संपर्क में आने पर विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं। प्राकृतिक आपदा के कारण होने वाले तात्कालिक आघात और नुकसान के अलावा, बच्चों को दीर्घकालिक शारीरिक, मानसिक और शैक्षिक नुकसान भी होते हैं। गरीब देशों में हजारों ऐसे बच्चे हैं जो तूफानों की चपेट में आकर विकलांग हो चुके हैं।

न्यूजीलैंड के डिप्टी पीएम बोले- भारत दुनिया में उभरता भू-राजनीतिक दिग्गज, आपसी सहयोग बढ़ाने पर जोर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नई दिल्ली में अनंत एस्पेन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में पीटर्स ने एअर न्यूजीलैंड और एअर इंडिया के बीच एक समझौता

ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, इसका मकसद 16 मार्गों पर कोडशेयर समझौतों की संभावना तलाशना है। इससे दोनों देशों के बीच पर्यटन, शैक्षिक और व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा मिलेगा।न्यूजीलैंड के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में भारत भू-राजनीतिक दिग्गज के रूप में उभर रहा है। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में न्यूजीलैंड और भारत के बीच मजबूत होती साझेदारी पर भी जोर दिया।नई दिल्ली में अनंत एस्पेन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में पीटर्स ने एअर न्यूजीलैंड और एअर इंडिया के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, इसका मकसद 16 मार्गों पर कोडशेयर समझौतों की संभावना तलाशना है। इससे दोनों देशों के बीच पर्यटन, शैक्षिक और व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा मिलेगा। ?उन्होंने कहा, दोनों देशों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने से एक महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों मजबूत द्विपक्षीय संबंध के साथ ही रक्षा संबंध बनाने के लिए जरूरी कदम उठा रहे हैं। पीटर्स ने दोनों देशों के बीच हुए रक्षा सहयोग समझौते पर भी प्रकाश डाला।उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड नौसेना वर्तमान में संयुक्त टास्क फोर्स 150 का नेतृत्व कर रही है, जिसका काम महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों की सुरक्षा करना तथा हिंद महासागर और अदन की खाड़ी में आतंकवाद, तस्करी और समुद्री डकैती कमुकाबला करना है। इस मिशन में भारत की भूमिका हमारी बढ़ती रणनीतिक सहयोग का एक मजबूत संकेत है।न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से भी मुलाकात की। ?दोनों नेताओं ने आपसी संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। पीटर्स से मुलाकात के दौरान गांधी के साथ लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई भी थे।

तुर्किये से तनाव के बीच डीजीसीए का बड़ा फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। विमानन नियामक डीजीसीए ने इंडिगो को तुर्किये एयरलाइंस के दो वाइड-बॉडी विमानों की लीजिंग अवधि तीन महीने बढ़ाकर 31 अगस्त तक कर दी

है। इंडिगों ने छह महीने की लीजिंग की मांग की थी, लेकिन डीजीसीए ने इस सिर्फ तीन महीनों के लिए बढ़ाया है।एविएशन नियामक डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) ने शुक्रवार को इंडिगो को टर्किश एयरलाइंस से दो बोइंग 777 विमानों के लीज पर संचालन की अनुमति को तीन महीने के लिए बढ़ा दिया है, ताकि अचानक उड़ानें रद्द होने से यात्रियों को असुविधा न हो। यह जानकारी सूत्रों के हवाले से सामने आई है।फिलहाल, इंडिगो दो बी-7777-300ER विमान तुर्किये एयरलाइंस से डैम्प लीज़ के तहत संचालित कर रही है, और इस लीज की मौजूदा अवधि 31 मई को समाप्त होने वाली थी। सूत्रों के मुताबिक, डीजीसीए ने अब इस लीज को तीन महीने बढ़ाकर 31 अगस्त तक के लिए मंजूरी दे दी है। हालांकि, एयरलाइन ने छह महीने के विस्तार का अनुरोध किया था।इस बीच, तुर्किये द्वारा पाकिस्तान का समर्थन करने और इस महीने की शुरुआत में भारत द्वारा आतंकवादी ठिकानों पर कीगई जवाबी कार्रवाई की निंदा करने के बाद इंडिगो और तुर्किये एयरलाइंस के संबंधों पर निगरानी बढ़ा दी है।15 मई को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो ने ठराष्ट्रीय सुरक्षा के हित मेंठ तुर्किये की कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी थी। इसके अलावा, कुछ ऑनलाइन ट्रैवल पोर्टल्स और संगठनों ने यात्रियों को तुर्किये की यात्रा न करने की सलाह देते हुए एडवाइजरी जारी की है।बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के दौरान तुर्किए ने पाकिस्तान को सपोर्ट किया था। इसके बाद से ही देशभर में तुर्किए के सामानों का विरोध हो रहा है। 15 मई को विमानन सुरक्षा निगरानी संस्था (बीसीएएस) ने राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में तुर्की की कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी थी।

प्रजा पर अत्याचार करने वाले बेटे को दी मौत की सजा, महिलाओं को दिया संपत्ति का अधिकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के जामखेड कस्बे के ग्राम चांडी में हुआ था। अब इस जिले को अहिल्यानगर कहा जाता है। उनके पिता मनकोजी राव शिंदे मराठा सेना में एक सैनिक थे। होलकर वंश की

महारानी अहिल्याबाई होलकर की आज जयंती है। जब देश में सती होने की कुप्रथा हुआ करती थी, उस दौर में अहिल्याबाई होलकर ने होलकर वंश कमान संभाली। कहा जाता है कि उन्होंने अपनी प्रजा को अपनी संतान से भी ज्यादा प्यार किया। न्याय ऐसा कि अपने बेटे की गलती के लिए उसे मौत की सजा सुना दी। उन्हें लोग लोकमाता कहकर संबोधित करते थे। उनका सादगीपूर्ण जीवन, धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के लिए समर्पण ऐसा था कि उन्हें द फिलॉसफर क्वीन की उपाधि दी गई। शिव भक्ति के अलावा नित्य नर्मदा दर्शन व मछलियों को दाना खिलाना व गरीबों को दान देना उनकी दिनचर्या में शामिल था। अहिल्याबाई ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए भी काफी काम किया। उन्होंने महिलाओं के संपत्ति का अधिकार दिया साथ ही उन्हें सशक्त बनाने के लिए अस्त्र शस्त्र की शिक्षा भी दी। अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के जामखेड कस्बे के ग्राम चांडी में हुआ था। अब इस जिले को अहिल्यानगर कहा जाता है। उनके पिता मनकोजी राव शिंदे मराठा सेना में एक सैनिक थे। जो बाद में नायक बने। माता सुशीला बाई भी गांव के एक सामान्य किसान परिवार से थीं। मराठा सैनिकों के परिवार को महिलाओं को कुछ सैन्य प्रशिक्षण देकर आत्मरक्षा का अभ्यास कराया जाता था। इसका कारण यह था कि जब गांव के युवा सैन्य अभियान पर होते तब योजना पूर्वक असामाजिक तत्व गांव पर धावा बोल देते थे। सीमा के गांवों को लूट के साथ महिलाओं को भी निशाना बनाया जाता था। इसलिये शिवाजी महाराज ने सैन्य परिवारों की महिलाओं और गांव की बेटियों को आत्मरक्षा के लिये शारीरिक सामर्थ्य बढ़ाना और कुछ शस्त्र प्रशिक्षण देना शुरू किया था। अहिल्याबाई अपनी माता के साथ तीर कमान और भाला चलाना सीख गई थीं। माता सुशीला बाई शिवभक्त थीं, जिसके कारण अहिल्याबाई भी शिव की भक्त बन गईं। वे बिना पूजन किये जल भी ग्रहण नहीं करती थीं। आत्मरक्षा के साथ उन्हें अच्छी शिक्षा भी दी गई थी। एक ग्रामीण परिवेश के एक अति साधारण सैनिक परिवार में जन्मीं अहिल्याबाई आगे चलकर राजरानी और महारानी बनीं।

नायडू बोले- अमेरिका-चीन के साथ भारत की प्रतिस्पर्धा अब शुरू हुई है, विकास के लिए अच्छी नीति महत्वपूर्ण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि भारत को अपनी वैश्विक उत्पाद विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करना चाहिए और मध्यम आय के जाल में फंसने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा, हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। अगले दो साल में, हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे।आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, लेकिन शीर्ष दो अर्थव्यवस्था वाले देश अमेरिका और चीन के साथ वास्तविक प्रतिस्पर्धा अब शुरू हुई है।उद्योग नायडू ने कहा, चीन की अर्थव्यवस्था भारत की तुलना में साढ़े चार गुना है और अमेरिका की अर्थव्यवस्था भारत की तुलना में सात गुना है। हमें तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास की बड़ी छलांग लगाने के लिए अच्छी सार्वजनिक नीति महत्वपूर्ण है।

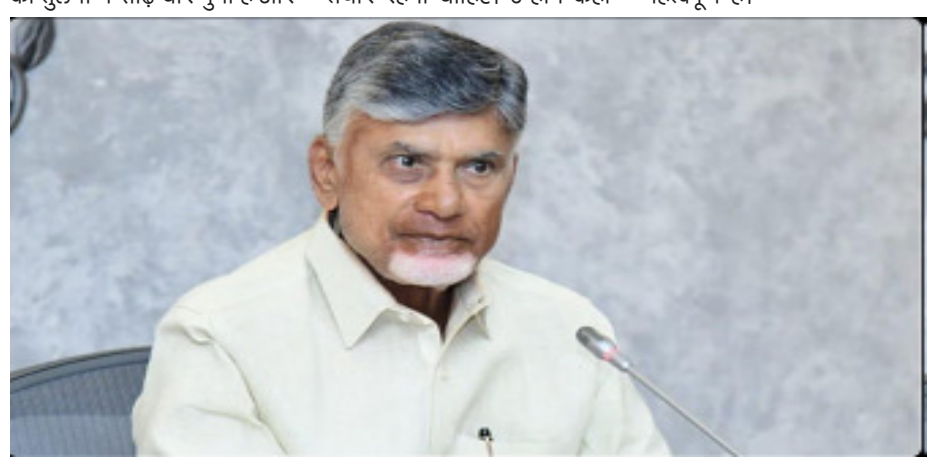

बीएसएफ आईजी बोले- पाकिस्तान ने गुजरात पर दागीं मिसाइलें और सैकड़ों ड्रोन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गुजरात फ्रंटियर के महानिरीक्षक अभिषेक पाठक ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से राजस्थान से लेकर कच्छ तक हमारी सीमा पर कुल लगभग 600 ड्रोन भेजे गए, जिनमें से करीब 40 फीसदी यानी 200 ड्रोन गुजरात की सीमा में दाखिल हुए। लेकिन हमने सेना और वायुसेना के सहयोग से इन हमलों को विफल कर दिया बीएसएफ की गुजरात फ्रंटियर के महानिरीक्षक अभिषेक पाठक ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान गुजरात की ओर मिसाइलें और 200 ड्रोन दागे थे और सीमा पर टैंक व भारी तोपखाने भी तैनात किए, लेकिन वह भारतीय सैन्य ठिकानों, जवानों या आम नागरिकों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सका, क्योंकि भारत की सुरक्षा बलों ने हर हमले को नाकाम कर दिया। गांधीनगर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीएसएफ की भूमिका बताते हुए बीएसएफ की गुजरात फ्रंटियर के महानिरीक्षक अभिषेक पाठक ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से राजस्थान से लेकर कच्छ तक हमारी सीमा पर कुल लगभग 600 ड्रोन भेजे गए, जिनमें से करीब 40 फीसदी यानी 200 ड्रोन गुजरात की सीमा में दाखिल हुए। लेकिन हमने सेना और वायुसेना के सहयोग से इन हमलों को विफल कर दिया। न तो कोई जवान घायल हुआ और न ही किसी नागरिक को नुकसान पहुंचा।

इन ड्रोन में से कुछ को मार गिराया गया।उन्होंने आगे बताया, हमें पता चला कि पाकिस्तान ने न सिर्फ अपनी सीमा पर सेना की तैनाती बढ़ाई, बल्कि भारी तोपखाने और टैंक भी आगे की चौकियों पर तैनात किए। इस स्थिति को देखते हुए बीएसएफ, सेना, नौसेना और वायुसेना ने संयुक्त रूप से तैयारियां कीं। वरिष्ठ अधिकारियों ने सीमा क्षेत्रों का दौरा कर तैनात जवानों को दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने बताया कि गुजरात की ओर मिसाइलें भी दागी गईं, लेकिन जमीन पर कोई नुकसान नहीं हुआ। पाठक ने बताया कि बीएसएफ की गुजरात फ्रंटियर ने ठउच्च क्षमता वाले हथियार और निगरानी उपकरणठ सभी सीमा चौकियों पर तैनात कर दिए थे, क्योंकि पहले ही पाकिस्तान सेना की गतिविधियों की जानकारी मिल गई थी। पाकिस्तान द्वारा भेजे गए ड्रोन हमलों पर उन्होंने कहा, बीएसएफ, सेना और अन्य संबंधित विभाग इन हमलों का विश्लेषण कर रहे हैं, ताकि भविष्य में और बेहतर प्रतिक्रिया दी जा सके। उन्होंने कहा, यह शायद पहली बार था जब इस तरह की स्थिति उत्पन्न हुई। बीएसएफ, अन्य बलों और संबंधित विभागों के लिए इसमें कई सीखें छुपी हुई हैं।

बॉलीवुड/टेली मसाला

दिल्ली के एक होटल में परफॉर्मेंस करने से लेकर इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड जीतने तक, ऐसा रहा वीर दास का सफर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। मशहूर कॉमेडियन और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्टैंड अप कॉमेडी को पहुंचाने वाले वीर दास का आज जन्मदिन है। जानते हैं कैसा रहा वीर दास का सफर।स्टैंड अप कॉमेडियन, एक्टर और राइटर वीर दास आज अपना 46वां जन्मदिन मना रहे हैं। 31 मई 1979 को उत्तराखंड के देहरादून में जन्में वीर दास ने अमेरिका के नॉक्स कॉलेज से ग्रेजुएशन की है। इसके बाद उन्हें हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और मॉस्को आर्ट थिएटर के संयुक्त स्टैनिस्लावस्की प्रोग्राम के लिए एडमिशन मिल गया। वीर दास इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड जीतने वाले पहले भारतीय कॉमेडियन हैं। वहीं साल 2024 में इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स को होस्ट करने वाले वीर दास पहले भारतीय भी हैं। स्टैंड अप कॉमेडी की दुनिया में इंटरनेशनल लेवल का नाम बन चुके वीर दास अब तक 35 नाटक, 18 फिल्में, 110 से ज्यादा कॉमेडी शो, 8 टीवी शो और छह कॉमेडी स्पेशल कर चुके हैं। जन्मदिन के मौके पर जानते हैं वीर दास की जर्नी के बारे में। वीर दास ने अपने करियर की शुरुआत नई दिल्ली के एक बड़े होटल में 'वॉकिंग ऑन ब्रोकेन दास' नाम के एक एक्ट के साथ की थी। उन्होंने टीवी पर अपने करियर की शुरुआत टीवी शो होस्ट के रूप में की। पहले उन्होंने 'इस रूट की सभी लाइनें व्यस्त हैं' शो होस्ट किया। इसके बाद अपना खुद का लेट नाइट कॉमेडी शो 'एक रहिन वीर' होस्ट किया। इसके अलावा उन्होंने एक स्पोर्ट्स कॉमेडी शो समेत कई और शो भी होस्ट किए हैं। वीर दास कई टीवी सीरियल्स में भी नजर आए हैं। इनमें 'लो कर लो बात' और 'मुंबई कॉलिंग' टीवी शो शामिल हैं। उन्हें 'द कर्स ऑफ किंग टुट्स टॉम्ब' में कॉमिक रिलीफ के रूप में लिया गया, जो भारत में फिल्माई गई एक हॉलमार्क मिनी-सीरीज थी। स्टैंड अप कॉमेडियन और एक्टर के अलावा वीर दास राइटर और डायरेक्टर भी हैं। उन्होंने कई शो लिखे और डायरेक्ट किए हैं। उन्होंने अश्विन गिडवानी प्रोडक्शंस-एजीपी के साथ 'वॉकिंग ऑन ब्रोकन दास', 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' और 'हिस्ट्री ऑफ इंडियाः विरिटन' जैसे स्टैंड अप शो में भी काम किया है। इन्हें वीर दास ने खुद लिखा और निर्देशित किया है। स्टैंडअप कॉमेडी में अपना अलग मुकाम बनाने वाले वीर दास कई फिल्मों में भी नजर आए हैं। वो 2007 में आई फिल्म 'नमस्ते लंदन' में छोटी भूमिका में नजर आए थे। इसके बाद वो 2009 में आई सैफ अली खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म 'लव आज कल' में भी सैफ के दोस्त की छोटी सी भूमिका में दिखाई दिए थे। वीर दास लाइमलाइट में आए 2010 में आई शाहिद कपूर की फिल्म 'बदमाश कंपनी' से। फिल्म में उन्होंने चंदू की भूमिका निभाई थी। इसके बाद वीर दास 'डैली वेली', 'गो गोवा गॉन', 'शादी के साइड इफेक्ट्स', 'रिवॉल्वर रानी', 'अमित साहनी की लिस्ट' और 'मस्तीजादे' समेत तकरीबन 18 फिल्मों में नजर आए हैं वीर दास को करियर में पहचान एक स्टैंडअप कॉमेडियन के तौर पर मिली। 2017 में वीर दास का नेटफ्लिक्स स्पेशल 'अब्रॉड अंडरस्टैंडिंग' रिलीज हुआ। इसके साथ ही वो नेटफ्लिक्स पर कॉमेडी स्पेशल लाने वाले पहले भारतीय बने। इसके बाद 2018 में वीर दास अपना दूसरा नेटफ्लिक्स कॉमेडी स्पेशल 'लूजिंग इट' लेकर आए। 2019 में वीर दास ने अपना ट्रैवल-कम-कॉमेडी शो 'जेस्टिनेशन अननोन' रिलीज किया। जहां उन्होंने कुछ और स्टैंड अप कॉमेडियन व मशहूर हस्तियों के साथ यह पता लगाया कि इंडियन कॉमेडी को कैसे देखते हैं। अपनी कॉमेडी से लोगों को हंसाने वाले वीर दास का नाम विवादों से भी जुड़ा है। साल 2021 में वीर दास ने अपने यूट्यूब चैनल पर अमेरिका में वॉशिंगटन डीसी के जॉन एफ कैनेडी सेंटर में हुए अपने शो का एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में वीर दास 'आई कम फ्रॉम टू इंडियाज' नाम का एक मोनोलॉग सुनाते हैं। इसमें वीर दास ने दो तरह के भारत का जिक्र किया था। जो कि एक व्यंग्य था। इस वीडियो के सामने आने के बाद वीर दास पर देश का अपमान करने का आरोप लगा था। मुंबई में उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई गई थी। इसके अलावा भी वीर दास कई बार विवादों में रहे हैं। अपने टेन ऑन टेन के एक एपिसोड में उन पर ट्रांसजेंडर समुदाय का अपमान करने और उनका मजाक उड़ाने का आरोप लगा था। इसके बाद उन्होंने माफी भी मांगी थी। वहीं उनके शो 'हसमुख' के लिए उन्हें 10 कानूनी नोटिस भेजे गए थे। उन पर वकीलों की छवि बिगाड़ने का आरोप था। यह मामला हाईकोर्ट तक पहुंचा था। अपनी फिल्म 'मस्तीजादे' के प्रमोशन के दौरान वीर दास पर अश्लीलता फैलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी।

मिस वर्ल्ड 2025 का फाइनल आज, ईशान-जैकलीन लगाएंगे बॉलीवुड का तड़का; सोनू सूद होंगे सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। मिस वर्ल्ड 2025 के फाइनल की शाम को और भी शानदार बनाने के लिए बॉलीवुड स्टार्स ईशान खट्टर और जैकलीन फर्नांडीज लाइव परफॉर्मेंस देंगे। भारत के हैदराबाद में चल रहे 72वें मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का ग्रैंड फाइनल आज यानी 31 मई को हाईटेक एग्जिबिशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। इस फाइनल को ग्रैंड बनाने का पूरा इंतजाम किया गया है। ग्रैंड फाइनल की होस्टिंग मिस वर्ल्ड 2016 स्टेफनी डेल वैले और मशहूर भारतीय होस्ट सचिन कुंभार करेंगे। इस फाइनल में कई बेहतरीन परफॉर्मेंस भी होंगी। इनमें बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज और एक्टर ईशान खट्टर के नाम शामिल हैं।मिस वर्ल्ड 2025 के फाइनल में अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज और अभिनेता ईशान खट्टर बॉलीवुड का तड़का लगाएंगे। दोनों स्टार्स की लाइव परफॉर्मेंस होगी। इसके अलावा सितारों से सजी इस शाम में मिस वर्ल्ड 2017 और बॉलीवुड अभिनेत्री मानुषी छिल्लर भी विशेष रूप से शामिल होंगी।तेलंगाना की संस्कृति-विरासत को दिखाने वाला और 108 पार्टिसिपेंट्स वाला मिस वर्ल्ड 2025 का सफर अब अपने मुकाम तक पहुंचने वाला है। फाइनल इवेंट में लगभग 3500 लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। जिसमें मुख्यमंत्री समेत कई चीफ गेस्ट के भी पहुंचने की उम्मीद है। इस दौरान अभिनेता सोनू सूद को मिस वर्ल्ड ह्यू मैनिटेरियन अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। वह जजों के पैनल में भी शामिल होंगे, जिसमें ब्यूटी विद अ पर्पस गाला डिनर की मेजबानी करने वाली सोशल वर्कर सुधा रेड्डी और मिस इंग्लैंड 2014 डॉ. कैरीना टरेल शामिल हैं। मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन की चेयरपर्सन और सीईओ जूलिया मोर्ले जूरी की अध्यक्षता करेंगी और विनर की घोषणा करेंगी।

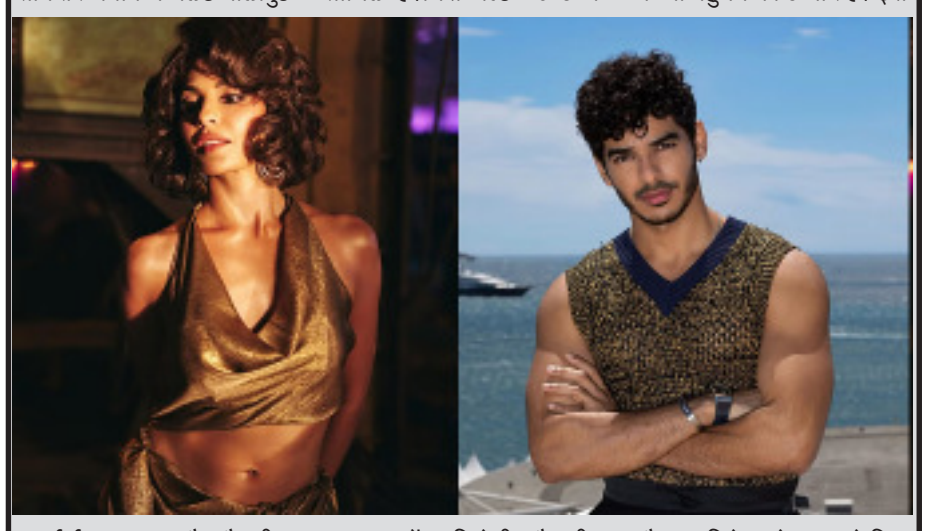

ताज नहीं, मानसिक शोषण मिला', 'मिस ग्रैंड इंटरनेशनल' जीतने वालीं रेचल गुप्ता के पिता ने किए खुलासे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। 'मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2024' का खिताब जीतने वालीं रेचल गुप्ता सुर्खियों में हैं। उन्होंने रोते हुए इवेंट के आयोजकों पर कई आरोप लगाए और अपना खिताब भी वापिस करने का फैसला किया। अब रेचल के पिता ने अमर उजाला डिजिटल से इस पूरे मामले पर बात की है। इस भावुक और चौंकाने वाली पोस्ट के बाद रेचल के पिता से अमर उजाला डिजिटल ने खास बातचीत की। रचेल के पिता राजेश अग्रवाल बातचीत के दौरान कई बार रुके, भावुक हुए और बेटी के दर्द को बयां करते हुए उन्होंने अपने मन की बात खुलकर कही। चलिए आपको बताते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।'जब हमें पूरी बात पता चली, तो दिल पर बहुत गहरा असर पड़ा। हमारी बेटी ने जो सपना देखा था, उसे पाने के लिए बहुत मेहनत की थी। लेकिन आधी रात को हमारे वकील ने मिस ग्रैंड इंटरनेशनल (श्उघ्) को नोटिस भेजा और सुबह सात बजे उन्होंने उसे हटा दिया, तो हम चौंक गए।कह रहा था कि उन्होंने पहले ही ये फैसला ले लिया था, लेकिन मेल और सोशल मीडिया देखकर साफ था कि उन्होंने जवाबी कार्रवाई की। उस वक्त मेरे मन में गुस्सा, दुख और बेबसी तीनों थे। बेटी ने जो मेहनत से मुकाम पाया, उसके साथ ऐसा बर्ताव होना हमारे लिए बहुत बड़ा झटका था।"मैं दावे से कह सकता हूं कि ये फैसला उसने अपनी मर्जी से नहीं लिया।

रेखा से लेकर करण जौहर तक, शाहिद कपूर की पत्नी मीरा के वेलनेस ब्रांड लॉन्च पर सितारों का जमावड़ा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत ने अपना नया वेंचर शुरू किया है। जिसके लॉन्च इवेंट में कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज ने शिरकत की।बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत ने अपना नया बिजनेस शुरू किया है। मीरा ने अब वेलनेस की दुनिया में कदम रखा है। उन्होंने एक हीलिंग और वेलनेस ब्रांड लॉन्च की है। इससे पहले मीरा का एक स्किनकेयर ब्रांड भी है। ये मीरा का दूसरा वेंचर है। इसका मकसद हेल्थ और वेलनेस के क्षेत्र में काम करना और लोगों को स्वस्थ बनाए रखना है। बीती रात मुंबई में इस वेलनेस ब्रान्ड की लॉन्चिंग हुई। इसमें बॉलीवुड के कई सितारों ने शिरकत की। पत्नी के नए वेंचर के लॉन्चिंग इवेंट में शाहिद कपूर पत्नी मीरा के साथ पहुंचे। शाहिद ऑल ब्लैक पैंट-शर्ट में नजर आए तो वहीं मीरा ऑफ शोल्डर व्हाइट गाउन में नजर आईं। इस दौरान ये जोड़ी काफी कमाल लगी और दोनों एक-दूसरे का हाथ पकड़े नजर आए।मीरा के धुन के लॉन्चिंग पर शाहिद कपूर का पूरा परिवार नजर आया। पिता पंकज कपूर जहां अपनी दूसरी पत्नी सुप्रिया पाठक और बच्चों सनाह कपूर और रुहान कपूर के साथ पहुंचे।बॉलीवुड के दिग्गज निर्माता-निर्देशक करण जौहर भी इस इवेंट में शामिल हुए। करण ऑल व्हाइट ड्रेस में इवेंट में पहुंचे। करण लूज व्हाइट पैंट-शर्ट में इवेंट में पहुंचे थे।इवेंट में लीजेंड्री एक्ट्रेस रेखा ने भी शिरकत की थी। रेखा के पहुंचते ही मीरा उन्हें खुद रिसीव करने पहुंचीं। शाहिद और मीरा ने रेखा के साथ पोज भी दिए। लाइट पर्पल कलर की साड़ी में रेखा हमेशा की तरह खूबसूरत नजर आईं।अभिनेत्री नेहा धूपिया इवेंट में स्टाइलिश ड्रेस में पहुंची। इस दौरान वो मीरा और शाहिद से काफी देर बात करती भी नजर आईं।90 के दशक में अपनी खूबसूरती का जादू चलाने वाली अभिनेत्री मधु भी शाहिद-मीरा के इस इवेंट में नजर आईं। जींस और टॉप में मधु अपनी बेटी के साथ इवेंट में पहुंची।मीरा कपूर यूट्यूबर भी हैं और वो अब बिजनेस में भी काफी सक्रिय हैं।

बुरी तरह बिगड़ा हॉलीवुड एक्ट्रेस का चेहरा, नाक-होंठ पर गंभीर चोट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। हॉलीवुड अभिनेत्री इवैंजलीन लिली की हैरान कर देने वाली तस्वीर सामने आई है, जिसमें उस तस्वीर में एक्ट्रेस के नाक और होंठ के बीच गहरा घाव दिख रहा है, जिस कारण उनका चेहरा फूला हुआ भी है। हॉलीवुड अभिनेत्री ने उनक चेहरे पर खून के साथ गंभीर चोटें दिख रही हैं। हाल ही में 'एंट-मैन एंड द वास्पः क्वांटुमेनिया' फेम अभिनेत्री इवैंजलीन लिली की सोशल मीडिया पर तस्वीर सामने आई है, जिसने लोगों को हैरान कर दिया है। इस तस्वीर में उनके नाक और होंठ पर गंभीर घाव के साथ खून के धब्बे दिख रहे हैं और टांके भी लगे हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वो समुद्र तट पर बेहोश हो गई थी, जिस कारण उन्हें ये चोटें लग गईं। इसके साथ ही उन्होंने अपनी बेहोशी के कारण का भी खुलासा किया है। आइए जानते हैं अभिनेत्री ने क्या कहा। अभिनेत्री लिली ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपनी घायल अवस्था में सेल्फी शेयर की है। पोस्ट के कैप्शन में बताया, 'मैं समुद्र तट पर बेहोश हो गई और एक चट्टान से टकराकर मुंह के बल गिर गई थी।' आगे उन्होंने लिखा, अस्पताल में नर्स और डॉक्टर तुरंत हरकत में आ गए। वे मेरे चेहरे पर बने घाव को ठीक करने की बजाय, मेरे बेहोश होने का कारण जानना चाहते थे। इसपर मैंने एक कांपती आवाज में कहा कि 'आपको कुछ नहीं मिलेगा।' पीपल की रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री ने बताया कि जब वह छोटी बच्ची थी, तब से उन्हें बेहोशी के दौरे पड़ते थे। डॉक्टरों ने तब मिर्गी की संभावना को खारिज करने के बाद कि उन्हें हाइपोग्लाइसीमिया (लो ब्लड शुगर) की बीमारी बताई। अभिनेत्री ने बताया कि जैसे-जैसे वो बड़ी होती गई उनका स्वास्थ्य सामान्य होने लगा। फिर उन्होंने कहा कि दिलचस्प बात यह थी कि 12 घंटे के उपवास और बेहोश होने के बाद भी उनका ग्लूकोज का स्तर कभी भी कम नहीं हुआ, जो उनकी हाइपोग्लाइसीमिया की बीमारी को खारिज करता है।पीपल की रिपोर्ट के अनुसार लिली ने स्वीकार किया कि उन्हें लगता है कि उनके बेहोश होने का कारण उनकी भावनात्मक भलाई से जुड़ी हो। अभिनेत्री ने कहा, 'जब दर्द बहुत अधिक हो जाता है, तनाव अत्यधिक हो जाता है, बिखरा हुआ आदर्शवाद कुचलने लगता है, तो मेरी आत्मा मेरे शरीर से बाहर निकल जाती है और मैं बेहोश हो जाती हूं। फिर एक शुद्ध आत्मा में लौट आती हूं।' उन्होंने कहा कि वह आभारी हैं कि वो बेहोश हो गईं, क्योंकि उन्हें ताजगी की जरूरत थी।

महामंडलेश्वर बनने के समय को फिर किया याद, बोलीं- 'ईश्वर ने 25 साल की तपस्या का फल दिया'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। महाकुंभ के समय बॉलीवुड में अभिनेत्री रहीं ममता कुलकर्णी को किन्नर अखाड़े का महामंडलेश्वर बनाया गया। इस बात का काफी विरोध हुआ। हाल ही में ममता कुलकर्णी ने फिर से उस समय को याद किया। इस साल के महाकुंभ में ममता कुलकर्णी भी चर्चा में आईं। 90 के दशक की इस अभिनेत्री को किन्नर अखाड़े का महामंडलेश्वर बना दिया गया। इस बात पर खूब विवाद हुआ। आखिर में इस पद से ममता ने इस्तीफा दे दिया। हाल ही में ममता कुलकर्णी को एयरपोर्ट पर देखा गया, जहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने महामंडलेश्वर बनने के पुराने समय को याद किया। ममता कुलकर्णी कहती हैं, 'उस कुंभ में मेरा महामंडलेश्वर बनना पूरी तरह से ईश्वर के हाथ में था। 140 वर्षों में बाद वो पवित्र महाकुंभ आया था। ईश्वर मुझे मेरी 25 सालों की तपस्या का फल दे रहे थे और ऐसा ही हुआ।' बताते चलें कि ममता कुलकर्णी का दावा है कि वह पिछले 25 सालों से साध्वी की तरह जीवन जी रही हैं। ममता कुलकर्णी ने अपने एक पुराने इंटरव्यू में कहा था, 'मैं काफी वक्त तक बॉलीवुड से दूर रही हूं। मैंने 25 साल से फिल्मी दुनिया छोड़ी हुई है। लेकिन मेरी काफी चीजों को लेकर लोगों के सवाल हैं, प्रतिक्रियाएं हैं। मैंने देखा कि मेरे महामंडलेश्वर होने से शंकराचार्य से लेकर काफी लोगों को आपत्ति है। लेकिन मेरे जो गुरू हैं, जिनके सानिध्य में मैंने घोर तपस्या की है, उनका नाम है चैतन्य गगनगिरी महाराज। वे सिद्ध महापुरुष थे। मैंने उनके मार्गदर्शन में 25 साल घोर तपस्या किया है। अब सबको आपत्ति हो गई है।'

मिलिंद गाबा के घर एक साथ गूंजी दो किलकारी, जुड़वा बच्चों के बने पिता; बधाइयों का लगा तांता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। मशहूर गायक मिलिंद गाबा और उनकी पत्नी प्रिया बेनीवाल जुड़वा बच्चों के माता-पिता बन गए हैं। इसकी जानकारी देते हुए सिंगर ने एक क्यूट सा पोस्ट किया है। सिंगर मिलिंद गाबा के घर में एक नहीं दो-दो खुशियां एक साथ आईं हैं। उनकी पत्नी प्रिया बेनीवाल ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया है। इस खुशखबरी को गायक ने सोशल मीडिया पर बहुत ही खास संदेश के साथ शेयर किया है, जिसे देख उनके फैंस और करीबी लोग ढेर सारी बधाइयां दे रहे हैं। आइए जानते हैं गायक ने क्या लिखा। मिलिंद गाबा और उनकी पत्नी प्रिया बेनीवाल ने जुड़वा बच्चों के माता-पिता बनने पर अपने इंस्टाग्राम पर एक प्यारे पोस्ट के साथ इसकी जानकारी दी। संयुक्त रूप से दोनों ने एक ग्राफिक शेयर किया है, जिसमें दो बच्चे गुलाबी और नीले रंग के कपड़े पहने नजर आ रहे हैं। इसके अलावा ग्राफिक्स में लिखा है कि गाबा की स्टोरी में ट्विस्ट नहीं ट्विन्स हैं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए गायक ने एक दिल छू लेने वाला संदेश लिखा है। उन्होंने कहा, 'अपने लिए कभी कुछ नहीं मांगा तुमसे, अब अपने लिए और क्या ही मांग लूंगा। हम दो चमत्कारों से धन्य हो गए हैं। जय माता दी। इसके अलावा पोस्ट पर कई सेलेब्स प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं और उन्हें बधाई संदेश भेज रहे हैं। सिंगर के इस पोस्ट के बाद दोनों जुड़वा बच्चों के माता-पिता को मनोरंजन जगत से ढेर सारी बधाइयां मिल रही हैं। अभिनेत्री किश्वर मर्चेंट ने लाल दिल वाला इमोजी लगाकर बधाई दी है। गायिका तुलसी कुमार ने भी उन्हें बहुत-बहुत बधाई दी है। वहीं, अभिनेत्री नेहा मलिक ने लिखा, 'वाह दोनों को हार्दिक शुभकामनाएं।' इसके अलावा भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने भी कहा कि बहुत-बहुत बधाई दोनों को, जय माता दी। इतना ही नहीं उनके पास बधाई संदेशों को तांता लगा हुआ है, जिसमें उनके फैंस भी इस खबर से झूम उठे हैं और उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं।

स्वात्वाधिसकसार एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सम्पादक/प्रकाशक डा0 पुनीत अरोरा

मो0न0-09415608710

RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र मे प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हंतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।